www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 215 || अम्बेडकरनगर
बुधवार
28 अक्टूबर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
दैनिक
तमसा संकेत
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:13
सूर्यास्तः 05:27
अधिकतमः 30°00
न्यूनतमः 21°00

पेज 07

विशेष समाचार | करवा चौथः आस्था, प्रेम और... >>पेज 04 | तालाब में डूबी कार में मिले... >>पेज 06 | टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस...

योगी कैबिनेट मीटिंग, वाराणसी-लखनऊ में पेयजल-सीवरेज की 7 परियोजनाओं को मंजूरी

यूपी में गाय खरीदने पर सब्सिडी मिलेगी

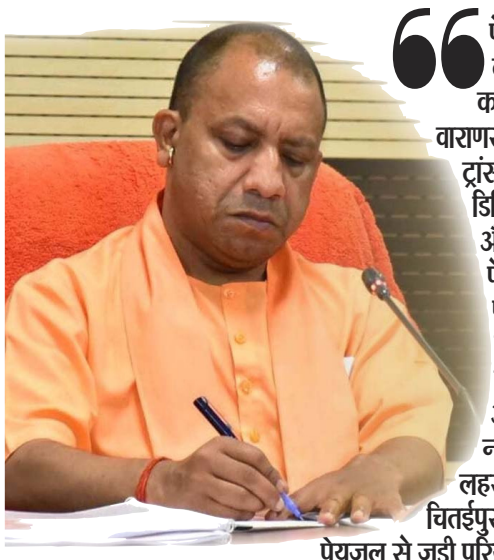

> पेयजल व्यवस्था को मजबूत करने के लिए वाराणसी के पुराने ट्रांस वरुणा क्षेत्र के डिस्ट्रिक्ट-2बी और 2सी जोन में पेयजल विस्तार एवं सुधार की योजना बनाई गई है. इसके अलावा नवविस्तारित लहरतारा और चितईपुर जोन में भी पेयजल से जुड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है. इन परियोजनाओं के पूरा होने पर वाराणसी में लगभग 8 लाख 22 हजार लोगों को बेहतर पेयजल सुविधा का लाभ मिलेगा.

मंजूरी

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई उत्तर प्रदेश कैबिनेट की बैठक में 22 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में पशुधन क्षेत्र को मजबूत करने, किसानों की आय बढ़ाने और रोजगार के अवसर पैदा करने से जुड़े प्रस्ताव पर विशेष जोर दिया गया।

कैबिनेट में बताया गया कि उत्तर प्रदेश दूध उत्पादन में देश में पहले स्थान पर है। इसके अलावा अंडा, ऊन और मत्स्य पालन के क्षेत्र में भी प्रदेश की स्थिति मजबूत है। हालांकि, इन क्षेत्रों में मूल्य संवर्धन, डिजिटल प्रबंधन और संगठित बाजार व्यवस्था को बेहतर बनाने की जरूरत है।

>> (शेष पेज 06 पर)

पशुपालन से किसानों की आय बढ़ाने पर जोर

सरकार का उद्देश्य पशुपालन को किसानों की आय बढ़ाने का प्रमुख माध्यम बनाना है। इसके लिए स्टेट लैब स्टार्ट मिशन के गठन का प्रस्ताव रखा गया है। मिशन के तहत रोजगार सृजन, उद्यमिता विकास, पशुओं की उत्पादकता बढ़ाने और पशु उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया जाएगा। योजना में उन्नत नस्ल के पशुओं को बढ़ावा देने और गाय की नस्ल सुधारने का भी प्रावधान है। दूध उत्पादन बढ़ाकर प्रति गाय प्रतिदिन 10 लीटर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही मुर्गी और बकरी पालन को प्रोत्साहित करने के लिए भी सहायता देने की बात कही गई है।

बुंदेलखंड में बनेंगे 65 हजार मीट्रिक टन क्षमता के गोदाम

बुंदेलखंड के किसानों को अपनी उपज के सुरक्षित भंडारण और उचित मूल्य दिलाने के लिए योगी सरकार ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है. कैबिनेट बैठक ने झांसी और ललितपुर में भंडारगृहों के निर्माण के लिए उत्तर प्रदेश राज्य भंडारण निगम को निशुल्क भूमि उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है. दोनों जिलों में कुल 65 हजार मीट्रिक टन क्षमता के गोदाम बनाए जाएंगे।

लखनऊ के 1.56 लाख लोगों को फायदा

लखनऊ में अमृत-2.0 के तहत पेयजल डिस्ट्रिक्ट-डी के तहत ऐशबाग, आलमनगर और केशरीखेड़ा वार्ड में पेयजल से संबंधित परियोजना शामिल है. इससे लगभग 1 लाख 56 हजार लोगों को शुद्ध पेयजल की सुविधा मिलेगी. परियोजना से जुड़े क्षेत्र को पेयजल व्यवस्था से शत-प्रतिशत आच्छादित करने का लक्ष्य है. बताया कि सातों परियोजनाओं के लिए केंद्रांश के रूप में 696.42 करोड़ रुपये, राज्यांश के रूप में 1866.40 करोड़ रुपये, निकायांश के रूप में 222.85 करोड़ रुपये और सेंटेज के रूप में 113.95 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है. इन परियोजनाओं का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना और लोगों को बेहतर जीवन सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

22
प्रस्तावों को उत्तर प्रदेश कैबिनेट ने मंजूरी दी

- यूपी कैबिनेटः एक गाय पर 50 हजार रुपये का अनुदान
- चार लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण पर सहमति
- अटल नवीकरण और शहरी रूपांतरण मिशन-2.0 (अमृत-2.0) के तहत मंजूरी

सोनिया बोलीं- नहीं चाहती थी कि राजीव पीएम बनें

नई दिल्ली। सोनिया गांधी ने कहा- जब राजीव गांधी को देश का प्रधानमंत्री बनाया जा रहा था, तब मैं इस फैसले के खिलाफ थीं। कभी नहीं चाहती थीं कि राजीव गांधी प्रधानमंत्री बनें। मेरी किताब आने पर कुछ 'तमाशा' जरूर होगा। दशकों से लोग मेरी कहानी बता रहे, अब मेरी बारी है अपनी कहानी बताने की। सोनिया गांधी पर लिखी गई किताब 'बिलॉन्गिंगः अ जर्नी ऑफ लव' 10 नवंबर को रिलीज होगी। उन्होंने मंगलवार को X पर इसका नया वीडियो पोस्ट किया।

भारत में इनोवेशन की परंपरा रही

साइंस कॉन्क्लेव में बोले मोदी शून्य की खोज की, नंबर सिस्टम बनाया

उद्घाटन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। हमें आज जो सफलताएं मिल रही हैं, वे पहले कभी नहीं मिलीं। 'विकसित भारत' की नींव वैज्ञानिक अनुसंधान पर टिकी होगी। भारत एक नई सोच और नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। हमारा लक्ष्य नई तकनीकें विकसित करना है। हमारा लक्ष्य

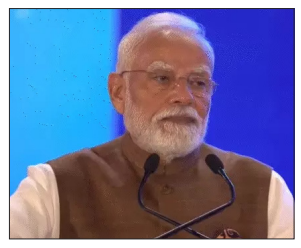

महत्वपूर्ण तकनीकों के क्षेत्र में अपनी क्षमताओं का विस्तार करना है। भारत का लक्ष्य आत्मनिर्भर बनना है। ये बातें पीएम मोदी ने मंगलवार को दिल्ली के भारत मंडपम में इमर्जिंग साइंस, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन कॉन्क्लेव (ESTIC 2026) के उद्घाटन में कहीं। >> (शेष पेज 06 पर)

- एस्टिक साइंस-इनोवेशन से जुड़ा एक राष्ट्रीय सम्मेलन है। यह 27-28 अक्टूबर तक चलेगा, इसमें 12 सेक्टरों पर चर्चा की जाएगी। तीन नोबेल विजेता इसके स्पीकर होंगे।

एक सप्ताह में पत्रकारों और उनके आश्रितों का विवरण पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश

मान्यता प्राप्त पत्रकारों को मिलेगी कैशलेस इलाज की सुविधा

चर्चा

> एक सप्ताह में मान्यता प्राप्त पत्रकारों का विवरण पोर्टल पर अपलोड करें
> - सूचना निदेशक

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । सूचना निदेशालय के सभागार में सूचना निदेशक, विशाल सिंह की अध्यक्षता में स्टेट हेल्थ एजेंसी, आयुष्मान भारत - प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना द्वारा मान्यता प्राप्त पत्रकारों एवं उनके आश्रितों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा हेतु विकसित किए गए नवीन पोर्टल के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई।

सूचना निदेशक श्री सिंह द्वारा पोर्टल को गो-लाईव किये जाने की सहमति प्रदान की गई, तत्पश्चात स्टेट हेल्थ एजेंसी आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अधिकारियों द्वारा पोर्टल के Process Flow का प्रस्तुतिकरण किया गया। मान्यता प्राप्त पत्रकारों को आयुष्मान कार्ड जारी करने की प्रक्रिया, आवेदन, सत्यापन और कार्ड डाउनलोड करने की पूरी प्रक्रिया को लाइव डेमो के माध्यम से समझाया गया। >> (शेष पेज 06 पर)

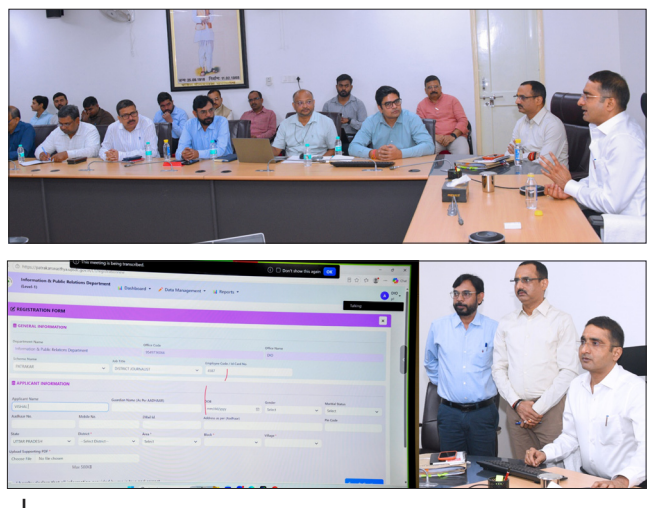

> एबी-पीएमजेएवाई के अंतर्गत मान्यता प्राप्त पत्रकारों के लिए कैशलेस चिकित्सा सुविधा हेतु पोर्टल को गो-लाईव करने की सहमति
> सूचना निदेशक विशाल सिंह की अध्यक्षता में एबी-पीएमजेएवाई पोर्टल संचालन का प्रशिक्षण सम्पन्न

सूचना निदेशक विशाल सिंह ने अधिकारियों को दी हिदायत

लाइव डेमो के जरिए समझाई गई पूरी प्रक्रिया

बैठक में स्टेट हेल्थ एजेंसी, आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अधिकारियों ने पोर्टल के संचालन की प्रक्रिया का प्रस्तुतिकरण किया। इस दौरान लाइव डेमो के माध्यम से मान्यता प्राप्त पत्रकारों के आयुष्मान कार्ड जारी करने, आवेदन करने, विवरण का सत्यापन करने और कार्ड डाउनलोड करने की पूरी प्रक्रिया समझाई गई। प्रशिक्षण में सूचना निदेशालय मुख्यालय के साथ प्रदेश के सभी जिला सूचना कार्यालयों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

फास्ट न्यूज

लोन की किस्त नहीं चुकाई, एजेंट्स ने किसान को उठाया

मुंबई । महाराष्ट्र के नांदेड जिले में 40 साल के किसान चंद्रकांत शिंदे का शव मिला है। शव निजी फाइनेंस कंपनी के ऑफिस में मिला। परिवार और ग्रामीणों का आरोप है कि लोन की किस्त नहीं चुकाने पर रिकवरी एजेंट्स ने चंद्रकांत को किडनैप किया था।

फैसला बरकरार

सुप्रीम कोर्ट बोला- केवल विदेशी होना जमानत रोकने काफी नहीं

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वैध और अधिकृत तरीके से भारत आए विदेशी नागरिक को UAPA में जमानत दी जा सकती है। जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की बेंच ने मद्रास हाईकोर्ट का फैसला बरकरार रखा। हाईकोर्ट ने आतंक से जुड़े मामले में एक श्रीलंकाई नागरिक की जमानत रद्द करने का ट्रायल कोर्ट का आदेश खारिज किया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि NIA यह साबित नहीं कर सकी कि आरोपी मोहम्मद रिफास उर्फ मोहम्मद रिगबास भारत में अवैध या बिना अनुमति के दाखिल हुआ था।

सुप्रीम कोर्ट बोला-एसिड बिक्री पर गाइडलाइन, फिर भी हमले क्यों

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एसिड अटैक की घटनाओं से जुड़ी एक याचिका पर सुनवाई की। इस दौरान उसने कहा कि गाइडलाइन बनी है, इसके बावजूद घटनाएं हो रही हैं। इसका मतलब है कि इसमें कुछ कमी है। कोर्ट ने सरकार से कहा कि एसिड की बिक्री पर रोक वाली गाइडलाइन सभी राज्यों में लागू कराए।

यूपी एमएलसी चुनाव में हो गया खेल! गोरखपुर में दिलचस्प मुकाबला

मेरठ में अखिलेश के प्रत्याशी ने मानी हार

काउंटिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली ।यूपी में विधान परिषद (MLC) की 11 सीटों पर मतगणना देर रात तक जारी है। मेरठ में सपा प्रत्याशी प्रवेंद्र सिंह भाटी ने हार मान ली है।

गोरखपुर में भाजपा के ध्रुव त्रिपाठी 110 वोटों से आगे चल रहे हैं। उन्हें निर्दलीय प्रत्याशी राजीव यादव और सपा के डॉक्टर संजयन टक्कर दे रहे हैं।

वाराणसी में सपा के लाल बिहारी यादव 4,873 वोटों से आगे हैं। यहां सपा समर्थक विंटेज कार लेकर पहुंचे हैं।

आगरा में सपा प्रत्याशी आकाश अग्रवाल ने 3 हजार वोटों की लीड ले रखी है। 23 अक्टूबर को मतदान के दिन उन्होंने भाजपा पर बूथ कैप्चरिंग और फर्जी वोटिंग के आरोप लगाए थे। उन्होंने मुस्लिम धर्म अपनाने की धमकी दी थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

> अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा- मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार रिजल्ट को पारदर्शी बनाएं। मतगणना में जानबूझकर देरी कराई जा रही है। डीएम और कमिश्नर अगर किसी प्रकार की बेईमानी की कोशिश करेंगे तो उनके खिलाफ हम आंदोलन करेंगे और मुकदमा दर्ज कराएंगे।

मेरठ में भाजपा ने स्नातक और शिक्षक, दोनों एमएलसी सीटें जीतीं

मेरठ-सहारनपुर खंड की स्नातक सीट पर भाजपा प्रत्याशी दिनेश गोयल ने जीत दर्ज की। उन्होंने सपा प्रत्याशी प्रमेंद्र सिंह भाटी को 12,855 वोटों से हराया। दिनेश गोयल को 24,928 वोट मिले, जबकि प्रमेंद्र सिंह भाटी को 12,073 वोट मिले।

वहीं, शिक्षक सीट पर भाजपा के श्रीचंद शर्मा ने सपा प्रत्याशी नितिन कुमार तोमर को 13,241 वोटों से हराया। श्रीचंद शर्मा को 18,099 वोट मिले, जबकि नितिन कुमार तोमर को 4,858 वोट मिले। इस सीट पर 2,809 वोट निरस्त हुए।

सीईसी के इस्तीफे तक आंदोलन जारी रहेगा, 1 नवंबर को विपक्ष का दिल्ली में मार्च

वोट चोरी टॉप लेवल से हो रही : राहुल गांधी

जनसुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को दिल्ली के त्रिलोकपुरी ब्लॉक-20 में 'वोट अधिकार, जीने का अधिकार' जनसुनवाई के दौरान कहा कि गरीबों के नाम जानबूझकर वोटर लिस्ट से हटाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा- हम लंबे समय से यह मुद्दा उठाते रहे हैं, लेकिन अब पूरा देश समझने लगा है कि टॉप लेवल से वोट चोरी हो रही है।

उन्होंने कहा- पूरा विपक्ष एकजुट है। जब तक ज्ञानेश कुमार इस्तीफा नहीं देते या पीएम मोदी उन्हें पद से नहीं हटाते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

INDIA ब्लॉक SIR और वोटरों के नाम काटे जाने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहा है। विपक्ष 1 नवंबर को 'दिल्ली चलो' मार्च निकालेगा और रामलीला मैदान में जनसभा करेगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

राहुल बोले- ज्ञानेश कुमार सवालों का जवाब नहीं देते

CEC ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधते हुए राहुल गांधी ने कहा- हमने ज्ञानेश कुमार जी से इस बारे में सवाल किए। ज्ञानेश कुमार जी जवाब नहीं देते। वे छिपते हैं। राहुल ने जनसुनवाई का जिक्र करते हुए कहा- आज आपने जो बैठक और जनसुनवाई आयोजित की, उसने देश के सामने इस सच्चाई को बहुत स्पष्ट तरीके से रखा है। सिर्फ चार बूथों पर 416 वोटरों के नाम अवैध रूप से काटे गए।

ई20 के खिलाफ पैसे देकर प्रोपेगेंडा चलाया गया : गडकरी

बेवजह शोर मचाया, 100% एथेनॉल वाले फ्यूल को मंजूरी दी

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि करीब 3 महीने पहले E20 फ्यूल का काफी विरोध हुआ था, लेकिन अब यह विरोध खत्म हो गया है। उन्होंने इसे पैसे देकर चलाया गया अभियान बताया। गडकरी का ये बयान केंद्र सरकार के 100% एथेनॉल-ब्लेंडेड फ्यूल के इस्तेमाल को मंजूरी देने के एक दिन बाद आया है। दरअसल, भारत में 20% एथेनॉल और 80% पेट्रोल के इस मिश्रण (E20) का विरोध हो रहा था। दावा किया गया था कि 2023 से पहले बनी पेट्रोल गाड़ियों के मालिक परेशान हैं। इस फ्यूल से गाड़ियों का माइलेज कम हो रहा है, मेंटेनेंस का खर्च बढ़ गया है और इंजन के पार्ट्स जल्दी खराब हो रहे हैं। गडकरी ने कहा कि सोशल मीडिया पर नेशनल हाईवे की खराब हालत की शिकायतें मिली थीं। इसके बाद 700 से 800 प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की।

>> (शेष पेज 06 पर)

- राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई 1.46 लाख किमी हो गई

गुहार : विधायक पुत्र पर दुकान में मारपीट, कागजात और चाबी ले जाने का आरोप

आईजीआरएस शिकायत से भड़की रार!

बसखारी मार्ग की दुकान पर लेखपाल की मौजूदगी में घटना का दावा

सीसीटीवी फुटेज वायरल होने की चर्चा पीड़ित ने पुलिस से लगाई गुहार

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। जमीन का विवाद, आईजीआरएस पर शिकायत और फिर दुकान पर मारपीट का आरोप। अकबरपुर क्षेत्र में सामने आए इस मामले ने कई सवाल खड़े किए हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व अकबरपुर विधायक रामअचल राजभर के पुत्र और भानमती स्मारक महाविद्यालय के प्रबंधक संजय राजभर पर दुकान में पहुंचकर मारपीट करने, जमीन से जुड़े दस्तावेज और वाहन की चाबी ले जाने तथा जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगा है। पीड़ित ने प्रभारी निरीक्षक को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है।

शिकायती पत्र में जमीन के विवाद और आईजीआरएस के माध्यम से शिकायत किए जाने का भी उल्लेख है। लाल चंद्र का आरोप है कि जमीन से जुड़े मामले में शिकायत करने को लेकर संजय राजभर नाराज थे। शिकायतकर्ता ने इसी विवाद को घटना की पृष्ठभूमि बताया है। हालांकि, जमीन के मामले का पूरा विवरण और आईजीआरएस शिकायत से जुड़े तथ्यों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। घटना से संबंधित सीसीटीवी फुटेज वायरल होने की बात सामने आई है।

>> (शेष पेज 06 पर)

दोपहर 1:30 बजे दुकान पर क्या हुआ?

अकबरपुर क्षेत्र के श्रीनाथपुर बरवा नसीरपुर निवासी लाल चंद्र के मुताबिक, 27 अक्टूबर को दोपहर करीब 1:30 बजे वह बसखारी मार्ग स्थित अपनी दुकान सूर्यांश ट्रेडर्स पर बैठे थे। उस समय लेखपाल चंदन कुंवर भी वहां मौजूद थे। आरोप है कि इसी दौरान संजय राजभर अपने कुछ साथियों के साथ दुकान पर पहुंचे और उनके साथ मारपीट करने लगे। लाल चंद्र ने शिकायत में बताया कि वह डर के कारण वहां से भाग निकले। उनका आरोप है कि इस दौरान जमीन से जुड़े दस्तावेज और उनकी गाड़ी की चाबी भी ले ली गई। पीड़ित ने जान से मारने की धमकी दिए जाने का आरोप भी लगाया है।

दिनदहाड़े ट्रिपल मर्डर के मृतकों के परिवार की मांग, डिप्टी सीएम ने शवों को कंधा दिया

'हत्यारों का परिवार खत्म कर दो'

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में दिनदहाड़े ट्रिपल मर्डर के मृतकों के शवों को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कंधा दिया। उन्होंने ऐलान किया कि मां को सरकारी नौकरी दी जाएगी। बच्ची की पढ़ाई फ्री होगी। परिवार को सुरक्षा मिलेगी। आरोपियों पर NSA के तहत कार्रवाई होगी। इस आश्वासन के बाद परिजनों ने तीनों शवों को उठने दिया। 5 घंटे बाद तीनों की अर्थियां उठीं। गुलाला घाट में अंतिम संस्कार होगा।

पिता, बेटे और छोटे भाई की लाशें पोस्टमॉर्टम के बाद घर पहुंचीं तो शव देखकर मां-बहन चीख-चीखकर रोने लगीं। मां ने रोते हुए कहा था- हत्यारे ने हमारा परिवार उजाड़ दिया। उसे फांसी होनी चाहिए। घर को बुलडोजर से गिरा देना चाहिए। उसका परिवार भी खत्म कर दो। दोपहर करीब 3 बजे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, मेयर सुषमा खर्कवाल और भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह मृतकों के घर पहुंचे। इस दौरान लोगों ने उनके सामने जमकर नारेबाजी की। 'बुलडोजर शासन सो गया' जैसे नारे लगाते रहे और डिप्टी सीएम चुपचाप हाथ जोड़ते हुए मृतकों के घर गए। वहां पर नगर निगम और जिला प्रशासन के अधिकारी पहले से मौजूद थे। मामले में पुलिस ने एक्शन लेते हुए इंस्पेक्टर और चौकी प्रभारी सस्पेंड कर दिया था। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और भाजपा यूपी उपाध्यक्ष यूपी नीरज सिंह भी गुलाल घाट पर अंतिम संस्कार के लिए पहुंचे हैं। इस दौरान दोनों लोग चबूतरे पर आसपास बैठे दिखे। वैभव तिवारी ने बताया- दोपहर 1 बजे पुलिस कमिश्नर तरुण गाबा और जिलाधिकारी विशाख जी. अय्यर मृतकों के घर पहुंचे। परिजन अंतिम संस्कार के लिए मान नहीं रहे थे। करीब 4 बजे तक बैठक होती रही। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के पहुंचने के बाद परिवार की सभी मांगें मान ली गईं और तीनों अर्थियां उठाई गईं।

कार पार्किंग और चबूतरे के विवाद में 3 लोगों की हत्या हुई थी

सआदतगंज के ब्राह्मण टोला में सोमवार सुबह कार पार्किंग और चबूतरे को लेकर ऋषभ शुक्ला (30) ने 3 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मृतक शिवाजी तिवारी (62) सचिवालय के रिटायर्ड कर्मचारी थे। संघ के जिला सर कार्यवाह भी रह चुके हैं।

शिवाजी के भाई शिवेंद्र तिवारी उर्फ शंभु लखनऊ यूनिवर्सिटी में काम करते थे। शिवाजी का बेटा सुयश (30) का बिजली के सामान का कारोबार था। 5 दिसंबर को उसकी शादी होनी थी। आरोपी ऋषभ मर्चेंट नेवी में नेविगेशन अफसर था।

भाजपा नेता नागेंद्र सिंह ने कहा- RSS के स्वयंसेवक की हत्या हुई है। उनके परिवार के पक्ष में यहां पर RSS के स्वयंसेवक इकट्ठा हुए हैं। आरोपी के घर पर बुलडोजर चलना चाहिए।

चिता पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष नीरज सिंह ने भी लकड़ी रखी। सारे अंतिम क्रिया-कर्म किए जा रहे हैं। गुलाला घाट पर मृतकों शिवाजी तिवारी, शंभु तिवारी और सुयश तिवारी की चिताएं सजाई जा रही हैं। लोग लकड़ियां रख रहे हैं।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और भाजपा यूपी उपाध्यक्ष यूपी नीरज सिंह भी गुलाल घाट पर अंतिम संस्कार के लिए पहुंचे। इस दौरान दोनों लोग चबूतरे पर आसपास बैठे दिखे।

लखनऊ ट्रिपल मर्डर केस में बड़ा एक्शन, इंस्पेक्टर-चौकी इंचार्ज सस्पेंड

शव घर पहुंचते ही मची चीख-पुकार

गोरखपुर मेडिकल कॉलेज से 1 महीने की बच्ची गायब

मां ने रुपये निकालने के दौरान महिला को सौंपा था

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज से सोमवार को एक माह की नवजात बच्ची गायब हो गई। बच्ची की तबीयत में सुधार के बाद उसे फीडिंग के लिए एनआईसीयू से कंगारू मदर केयर वार्ड में मां के पास भेजा गया था।

करीब दो घंटे बाद डॉक्टर वार्ड में पहुंचे तो मां और बच्ची दोनों गायब मिलीं। कुछ देर बाद माता-पिता मेडिकल चौकी पहुंचे और पुलिस को सूचना दी।

मां और पिता के बयानों में अलग-अलग बातें सामने आई हैं। पुलिस अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर बच्ची और संदिग्ध महिला की तलाश कर रही है। संतकबीरनगर जिले के बेलहर कला थाना क्षेत्र के गोपालपुर निवासी राममनोहर की पत्नी रोशनी ने एक महीने पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ऑपरेशन से बच्ची को जन्म दिया था। तबीयत खराब होने पर 15 अक्टूबर को बच्ची को बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। बाल सेवा संस्थान के एनआईसीयू में 500 नंबर बेड पर उसका इलाज चल रहा था।

बच्ची की हालत में सुधार होने पर सोमवार सुबह करीब 11:30 बजे उसे फीडिंग के लिए कंगारू मदर केयर वार्ड में मां के पास भेजा गया। करीब दो घंटे बाद जूनियर डॉक्टर वार्ड में पहुंचे तो मां और बच्ची वहां नहीं मिलीं। जानकारी मिलने पर राममनोहर अस्पताल पहुंचे।

फास्ट न्यूज

गोरखपुर के स्कूल में प्रोजेक्ट गरिमा

गोरखपुर। बालिकाओं के स्वास्थ्य एवं मासिक धर्म स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट गरिमा के अंतर्गत गोरखपुर में अभियान की शुरुआत की गई। इसके तहत विद्यालय में सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन एवं इंसीनरेटर की स्थापना की गई। छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता, सैनिटरी पैड के उचित उपयोग और इस्तेमाल किए गए पैड के सुरक्षित निस्तारण के प्रति जागरूक किया गया।

काशी में साधु-संतों का महाकुंभ

वाराणसी । 3 से 5 नवंबर तक छठवीं संस्कृति संसद का आयोजन होगा। सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में होने वाले इस कार्यक्रम में देश-विदेश से करीब 3000 साधु-संत, विद्वान, वैज्ञानिक और कलाकार शामिल होंगे। आयोजन में बलूचिस्तान की आजादी के मुद्दे पर चर्चा के साथ आगे की रणनीति तैयार करने पर विचार होगा। रॉ के पूर्व निदेशक एनके सूद भी अपनी पत्नी के साथ कार्यक्रम में शामिल होंगे। संत समिति के मार्गदर्शन में होने वाले इस आयोजन में सनातन परंपरा, सामाजिक बदलाव, युवाओं की भूमिका और ऐतिहासिक मंदिरों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

मंगलपुर गांव में बुखार का प्रकोप

वाराणसी । मंगलपुर गांव में करीब डेढ़ से दो महीने से बुखार का प्रकोप हैं। ग्रामीणों का दावा है कि गांव में चार लोगों की मौत हो चुकी है। कई परिवारों में एक से अधिक सदस्य बीमार हैं।

मरीजों में तेज बुखार, शरीर व जोड़ों में दर्द, उल्टी, जी मिचलाने, कमजोरी और प्लेटलेट्स कम होने की शिकायतें सामने आ रही हैं। मरीजों के लिवर में सूजन आ रहा है।

गोरखपुर में 495 करोड़ की गोड़धोइया नाला परियोजना पूरी

सीएम योगी करेंगे लोकार्पण, 17 वार्डों को जलभराव से मिलेगी राहत

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। गोरखपुर में 495.24 करोड़ रुपए की लागत से बनी गोड़धोइया नाला परियोजना पूरी हो गई है। इससे शहर के उत्तरी क्षेत्र के 17 वार्डों में जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 1 नवंबर को परियोजना का लोकार्पण करेंगे।

इसी दिन दूसरे चरण के 93.72 करोड़ रुपए के कामों का शिलान्यास भी करेंगे। परियोजना के तहत 9.25 किलोमीटर लंबा नाला बनाया गया है। इसके साथ 17.50 किलोमीटर इंटरसेप्टिंग सीवर लाइन बिछाई गई और 38 एमएलडी क्षमता का सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट बनाया गया है।

अब नालों में सीधे गिरने वाले सीवेज को एसटीपी में शोधित किया जा रहा है। इसके बाद पानी रामगढ़-ताल में छोड़ा जा रहा है परियोजना के दूसरे चरण में 1.50 किलोमीटर लंबे कच्चे नाले को पक्का किया जाएगा। एसटीपी तक पहुंचने के लिए एप्रोच मार्ग, स्ट्रीट लाइट और लैंडस्केपिंग का काम भी होगा। इसके अलावा नाले के दोनों तरफ सड़क बनाने पर करीब 68 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे, जिससे क्षेत्र में आवागमन बेहतर होगा। गोड़धोइया नाला गोरखपुर के पुराने नालों में से एक है। कई दशकों तक यह गंदगी और अतिक्रमण की समस्या से जूझता रहा। नाले के जीर्णोद्धार के लिए पक्का निर्माण, डायवर्जन, इंटर-सेप्शन और सीवेज ट्रीटमेंट की योजना तैयार की गई। कार्यदायी संस्था जल निगम (शहरी) के अधिशासी अभियंता पंकज कुमार के मुताबिक, परियोजना में 7.75 किलोमीटर पक्का और 1.50 किलोमीटर कच्चा नाला बनाया गया है। परियोजना से बाबा राघव दास नगर, चरगांवा, अशोक नगर, शिवपुर, तुलसीराम पश्चिमी, शहीद शिव सिंह छेत्री नगर, पंडित राम प्रसाद बिस्मिल नगर, हरसेवकपुर, विश्वकर्मापुरम बौलिया, शालिग्राम नगर, लोहियानगर, कृष्णानगर, शाहपुर, मैत्रीपुरम, शक्तिनगर, रामजानकी नगर और विष्णुपुरम के लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है।

खेत में निराई-गुड़ाई करने पहुंचे युवक को दुर्गंध आने पर हुई जानकारी, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा

आम के पेड़ से लटका मिला युवक का शव, इलाके में मची सनसनी

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। रामनगर कोतवाली क्षेत्र के सुन्धियामऊ गांव में मंगलवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक खेत में आम के पेड़ से रस्सी के सहारे एक युवक का शव लटका मिला। खेत में काम करने पहुंचे एक युवक को दुर्गंध महसूस होने पर घटना की जानकारी हुई। शव मिलने की खबर फैलते ही गांव और आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान फतेहपुर क्षेत्र के गोपालपुर गांव निवासी अर्जुन पुत्र पप्पू रावत के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। खेत में युवक का शव मिलने की सूचना मिलते ही गांव में चर्चा फैल गई और घटनास्थल पर ग्रामीणों की भीड़ जुटने लगी। सूचना मिलते ही सुन्धियामऊ चौकी प्रभारी गजेंद्र विक्रम सिंह तथा रामनगर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई। इसके बाद आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करते हुए शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस मामले के सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। युवक की मौत के पीछे की वास्तविक वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट और पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान फतेहपुर क्षेत्र के गोपालपुर गांव निवासी अर्जुन पुत्र पप्पू रावत के रूप में हुई है। हालांकि, युवक किन परिस्थितियों में सुन्धियामऊ गांव स्थित खेत तक पहुंचा और उसकी मौत कैसे हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

निराई-गुड़ाई करने पहुंचे युवक को आई दुर्गंध

जानकारी के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 10 बजे फतेहपुर कोतवाली क्षेत्र के नवीगंज निवासी शकील पुत्र वारिश अली, नवीगंज निवासी वफाती पुत्र नजीर के खेत में लगे यूकेलिप्टस के पौधों की निराई-गुड़ाई करने पहुंचा था। इसी दौरान उसे अचानक तेज दुर्गंध महसूस हुई। दुर्गंध आने पर उसने आसपास नजर दौड़ाई तो बगल के खेत में स्थित आम के पेड़ पर रस्सी के सहारे एक युवक का शव लटका दिखाई दिया। यह दृश्य देखकर वह घबरा गया और तत्काल पुलिस को सूचना दी।

तेज रफ्तार ऑटो ने मासूम को रौंदा, बिहार से बाराबंकी रोजी-रोटी की तलाश में आया था परिवार

मजदूरी करने आए परिवार की खुशियां मातम में बदलीं

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। रोजी रोटी की तलाश में बिहार से बाराबंकी आए एक मजदूर परिवार पर मंगलवार की सुबह ऐसा कहर टूटा कि उसकी सारी खुशियां मातम में बदल गईं। घर से शौच के लिए निकली छह वर्षीय मासूम गौरी को क्या पता था कि वापस लौटते समय रास्ते में मौत उसका इंतजार कर रही है। झंझरा-मोहम्मदपुर खाला मार्ग पर जयसिंहपुर गांव के स्थित गोल्ड स्टोर के पास तेज रफ्तार ऑटो रिक्शा की चपेट में आने से बच्ची की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। जिस बेटी के सहारे परिवार की खुशियां थीं, उसकी अचानक मौत से माता-पिता और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। बताया जा रहा है कि मंगलवार सुबह करीब छह बजे राजू मांझी की छह वर्षीय बेटी गौरी शौच के लिए गई थी। वहां से वापस घर लौटते समय जब वह झंझरा मोहम्मदपुर खाला मार्ग पर जयसिंहपुर गांव के पास पहुंची, तभी तेज रफ्तार से आ रहे ऑटो रिक्शा संख्या यूपी 41 सीटी 1774 ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद बच्ची ऑटो की चपेट में आ गई। हादसा इतना गंभीर था कि गौरी ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बच्ची की मौत की सूचना जैसे ही परिजनों तक पहुंची, परिवार में कोहराम मच गया। कुछ ही देर पहले तक सामान्य दिन की शुरुआत कर रहा परिवार अचानक गहरे सदमे में डूब गया। मासूम की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। घटना ने आसपास के लोगों को भी झकझोर दिया।

20 दिन पहले मजदूरी करने आया था परिवार

जानकारी के अनुसार, बिहार के नवादा जिले के बट्टा गांव क्षेत्र निवासी राजू मांझी करीब 20 दिन पहले अपने परिवार के साथ बाराबंकी जिले के मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र में मजदूरी करने आए थे। वह क्षेत्र स्थित राजेंद्र प्रसाद गोल्ड स्टोर जयसिंहपुर में मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे। परिवार बेहतर रोजी-रोटी की उम्मीद लेकर यहां आया था, लेकिन मंगलवार की सुबह हुए हादसे ने उनकी जिंदगी में ऐसा दुख भर दिया, जिसकी भरपाई कर पाना संभव नहीं है।

वाराणसी छावनी में तेंदुए की तलाश तेज

वाराणसी । वाराणसी के छावनी क्षेत्र में तेंदुए की आहट से दहशत बरकरार है। तेंदुए को पकड़ने के लिए अब गोरखपुर से वेटनरी चिकित्सकों की टीम बुलाई गई है। टीम ने वन विभाग के अधिकारियों के साथ इलाके में डेरा डाल दिया है। तेंदुए की गतिविधियों और लोकेशन का पता लगाने के बाद उसे ट्रैंकुलाइज कर पकड़ने की तैयारी है। हालांकि, पिछले चार दिनों से सेंट मैरी स्कूल, 39 जीटीसी और नदेसर के छोटा कटिंग इलाके में तेंदुए के पगचिह्न नहीं मिले हैं।

वन विभाग ने तेंदुए की तलाश के लिए तीन टीमें बनाई हैं। प्रत्येक टीम में पांच विशेषज्ञ शामिल हैं। तीनों टीमों ने सबसे पहले उन जगहों की जांच की, जहां तेंदुआ दिखने की सूचना मिली थी। इसके बाद छावनी के जंगली और झाड़ियों वाले इलाकों में तलाश शुरू की गई। सेंट मैरी स्कूल में 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है। वन क्षेत्राधिकारी संजय कुमार के मुताबिक, तीनों स्थानों पर जांच के दौरान छोटे जानवरों के पगचिह्न मिले हैं।

गोरखपुर में पति को दौड़ाकर रॉड से पीटा

जान से मारने की दी धमकी, सीसीटीवी में घटना कैद

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर में गोरखनाथ थाना क्षेत्र के शास्त्रीपुरम विस्तार योजना में पति-पत्नी के विवाद में मारपीट का मामला सामने आया है। पति ने अपनी पत्नी पर रॉड जैसे हथियार से हमला करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। इस घटना का सीसीटीवी फुटेज पीड़ित पति ने पुलिस को दिया है। जिसके आधार पर पुलिस ने मंगलवार को FIR दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गोरखनाथ थाना प्रभारी विजय प्रताप सिंह ने बताया कि शिकायत के आधार पर मारपीट की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। इस केस की जांच थाने की उपनिरीक्षक प्रतिभा सिंह को दी गई है। मामला थाना गोरखनाथ इलाके का है। शास्त्रीपुरम विस्तार योजना निवासी राहुल कुमार गुप्ता ने थाने में तहरीर दी है। तहरीर के मुताबिक, उनकी पत्नी कृति गुप्ता उर्फ रिंकी का व्यवहार जिद्दी और चिड़चिड़ा है और वह अक्सर बिना बताए घर से गायब रहती हैं।

पीड़ित पति का आरोप है कि 18 अक्टूबर 2026 को दोपहर करीब 3 बजे जब वह घर पहुंचा तो पत्नी ने दरवाजा अंदर से बंद कर रखा था। रात करीब 10 बजे फिर घर पहुंचा तो ताला लगा मिला। वह पत्नी और बेटी को आसपास के दुर्गा पंडाल में खोजने गया, लेकिन पता नहीं चला।

काउंटडाउन : पहली बार मंच पर बैठेंगे कुलपति, 65 मेधावियों को मिलेगा 125 मेडल

आईआईटी बीएचयू का दीक्षांत समारोह 31 अक्टूबर को होगा आयोजित

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। आईआईटी बीएचयू के 15वें दीक्षांत समारोह का काउंटडाउन शुरू हो गया है। 31 अक्टूबर को स्वतंत्रता भवन सभागार में होने वाले समारोह में दो हजार से अधिक मेधावी छात्र-छात्राओं को डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। संस्थान में समारोह की तैयारियां तेज हो गई हैं। मेधावियों की सूची को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

आईआईटी बीएचयू में इस बार इंजीनियरिंग के 11 विभागों, चार स्कूलों, विज्ञान के तीन विभागों और ह्यूमैनिटीज के एक विभाग से पढ़ाई पूरी करने वाले विद्यार्थियों को उपाधियां दी जाएंगी। समारोह में स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी पूरी करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। हालांकि, पीएचडी पूरी करने वाले विद्यार्थियों की अंतिम संख्या अभी तय नहीं हुई है। सभी विभागों से इसकी जानकारी जुटाई जा रही है।

दीक्षांत समारोह में लगभग 65 मेधावी छात्र-छात्राओं के बीच 125 मेडल और पुरस्कार वितरित किए जाएंगे। इनमें संस्थान के प्रतिष्ठित शैक्षणिक सम्मान भी शामिल होंगे। मेधावियों की सूची तैयार करने का काम अंतिम चरण में है। पुरस्कारों और पदकों की अंतिम सूची जारी होने के बाद सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों के नाम सामने आएंगे।

पहली बार मंच पर होंगे बीएचयू के कुलपति

इस बार दीक्षांत समारोह में एक खास बदलाव भी देखने को मिलेगा। बीएचयू के कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी पहली बार आईआईटी बीएचयू के दीक्षांत समारोह के मंच पर मौजूद रहेंगे। वह आईआईटी बीएचयू के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के उपाध्यक्ष के रूप में मंचासीन होंगे। समारोह की अध्यक्षता बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के चेयरमैन और वरिष्ठ वैज्ञानिक कोटा हरिनारायण करेंगे।

आईआईटी के डायरेक्टर ने की बैठक।

स्नातक और आईडीडी में 1500 से अधिक मेडल

इस वर्ष स्नातक और इंटीग्रेटेड डुअल डिग्री (आईडीडी) स्तर पर 1500 से अधिक मेडल प्रदान किए जाने की जानकारी है। वहीं, स्नातकोत्तर स्तर पर एमटेक, एमफार्मा और एमएससी के विद्यार्थियों को करीब 350 मेडल दिए जाएंगे। इन सम्मानों के जरिए शैक्षणिक उपलब्धियों के साथ विभिन्न पाठ्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

समारोह के सबसे प्रतिष्ठित सम्मानों में राष्ट्रपति मेडल शामिल है। यह मेडल संस्थान में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थी को दिया जाता है। इसके अलावा स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया जाएगा। पूरे पाठ्यक्रम के दौरान सर्वांगीण प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को डायरेक्टर्स मेडल प्रदान किए जाते हैं।

हेतमापुर धाम के ऐतिहासिक मेले को लेकर प्रशासन अलर्ट

गोवर्धन पूजा से भैया दूज तक लगने वाले मेले की तैयारियों का लिया जायजा

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। दीपावली के अवसर पर सूरतगंज ब्लॉक क्षेत्र के हेतमापुर धाम में लगने वाले हर वर्ष की तरह ऐतिहासिक मेले को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को रामनगर की उपजिलाधिकारी आकांक्षा गुप्ता, तहसीलदार विपुल सिंह तथा फतेहपुर क्षेत्राधिकारी शक्ति सिंह ने पुलिस अधिकारियों के साथ मेला स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने मेले की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

हेतमापुर धाम में आयोजित होने वाला यह ऐतिहासिक मेला क्षेत्र की धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ा हुआ है। गोवर्धन पूजा से शुरू होकर यम द्वितीया यानी भैया दूज तक आयोजित होने वाले इस मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और क्षेत्रीय लोगों के पहुंचने की संभावना रहती है। मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए प्रशासन सुरक्षा व्यवस्था और अन्य जरूरी इंतजामों को लेकर सतर्क है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मेला स्थल की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और आयोजन को सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही भीड़ को नियंत्रित रखने, सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक इंतजाम दुरुस्त रखने पर जोर दिया गया। प्रशासन की ओर से मेले के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने को प्राथमिकता दी जा रही है। पुलिस अधिकारियों को भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सतर्कता बरतने और आवश्यकतानुसार सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित माहौल में मेले में शामिल हो सकें।

धान खरीद पर भी संकट, नियमित कर्मचारी का दर्जा और राजकोष से वेतन की मांग पर अड़े कर्मचारी

बी-पैक्स की हड़ताल से खाद वितरण ठप

चिंता

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। बी-पैक्स कर्मचारियों की हड़ताल से जिले की सहकारी समितियों का कामकाज प्रभावित हो रहा है। कई समितियों पर ताले लटकने से किसानों को खाद के लिए भटकना पड़ रहा है। नियमित कर्मचारी का दर्जा और राजकोष से वेतन भुगतान की मांग को लेकर कर्मचारी लखनऊ के ईको गार्डन में धरना दे रहे हैं। एक नवंबर से प्रस्तावित धान खरीद को लेकर भी चिंता बढ़ गई है। कर्मचारियों की प्रमुख मांग है कि उन्हें नियमित कर्मचारी का दर्जा दिया जाए और वेतन का भुगतान सीधे राजकोष से किया जाए। सचिव यूनियन के जिलाध्यक्ष ने कहा कि सरकार

उनकी मांगें स्वीकार करे या सभी कर्मचारियों से सामूहिक त्यागपत्र ले ले। कर्मचारियों का कहना है कि लंबे समय से मांगों का समाधान नहीं होने के कारण उन्हें आंदोलन करना पड़ा। लखनऊ के ईको गार्डन में धरना जारी है। कर्मचारियों ने मांगों पर ठोस निर्णय होने तक आंदोलन जारी रखने की बात कही है। जिले में एक नवंबर से धान खरीद शुरू होनी है। हड़ताल लंबी खिंचने पर खरीद केंद्रों से जुड़े काम प्रभावित हो सकते हैं। किसानों के पंजीकरण, खरीद संबंधी अभिलेख तैयार करने और भुगतान प्रक्रिया में दिक्कत आने की आशंका है। हालांकि, धान खरीद पर वास्तविक असर इस बात पर निर्भर करेगा कि तब तक समितियों का कामकाज सामान्य होता है या नहीं और प्रशासन वैकल्पिक व्यवस्था करता है या नहीं। प्रदेशभर के कर्मचारियों के आंदोलन से बढ़ी चिंता।

समितियों पर ताले, खाद के लिए भटक रहे किसान

हड़ताल के कारण सहकारी समितियों से उर्वरक वितरण प्रभावित हो रहा है। रबी की बुवाई के सीजन में खाद की जरूरत बढ़ने के बीच किसानों को निजी दुकानों का रुख करना पड़ रहा है। इससे उन्हें खाद की उपलब्धता और कीमत को लेकर परेशानी हो रही है।

सहकारी समितियां खाद वितरण के साथ कृषि ऋण और अन्य सेवाओं से भी जुड़ी हैं। ऐसे में हड़ताल जारी रहने पर इन कार्यों पर भी असर पड़ सकता है।

ईको गार्डन में धरना जारी समितियों पर ताले लगने से किसान परेशान

प्रदेशभर में 20 हजार से अधिक कर्मचारियों के नाराज होने का दावा किया जा रहा है। कर्मचारियों की मांगों को लेकर विपक्षी दल भी सरकार पर दबाव बना रहे हैं। फिलहाल हड़ताल के चलते जिले में खाद वितरण प्रभावित है, जबकि धान खरीद की तारीख नजदीक आने से सहकारी व्यवस्था के सामान्य संचालन को लेकर चिंता बनी हुई है।

स्कूलों में खुलेंगे लीगल लिटरेसी क्लब संविधान के पाठ से जुड़ेंगे विद्यार्थी

26 नवंबर को होगी संवैधानिक साक्षरता परीक्षा व प्रश्नोत्तरी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। विद्यार्थियों को संविधान के अधिकारों, कर्तव्यों और कानूनी सहायता की जानकारी देने के लिए जिले के राजकीय और निजी विद्यालयों में स्थायी लीगल लिटरेसी क्लब स्थापित किए जाएंगे। कक्षा नौ से 12 तक के विद्यार्थियों को इन क्लबों के माध्यम से नियमित रूप से संवैधानिक प्रावधानों और निःशुल्क विधिक सेवाओं के प्रति जागरूक किया जाएगा।

इसी क्रम में जनपद न्यायालय परिसर स्थित लिटिगेंट शेड में संविधान संवाद अभियान के तहत नोडल शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें 150 से अधिक राजकीय और निजी विद्यालयों के शिक्षकों ने हिस्सा लिया। अभियान के तहत 26 नवंबर को विद्यालयों में संवैधानिक

साक्षरता कार्यक्रम और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

प्रशिक्षण के दौरान संविधान की प्रस्तावना, मौलिक अधिकारों, मौलिक कर्तव्यों और राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों की जानकारी दी गई। सहायक लीगल एड डिफेंस काउंसिल शरद पांडेय ने मौलिक अधिकारों, डिप्टी चीफ राजेश तिवारी ने मौलिक कर्तव्यों और चीफ रमेश राम त्रिपाठी ने राज्य के नीति निदेशक सिद्धांतों पर जानकारी दी। नामिका अधिवक्ता रामचंद्र वर्मा ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की निःशुल्क विधिक सेवाओं और विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया। कार्यक्रम का संचालन परा‌विधिक स्वयंसेवक पुष्पा पाल ने किया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की पूर्णकालिक सचिव नीलम वर्मा ने बताया कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर कक्षा नौ से 12 तक की पढ़ाई कराने वाले सभी राजकीय और निजी विद्यालयों में स्थायी लीगल लिटरेसी क्लब बनाए जाएंगे। प्रत्येक क्लब में एक नोडल शिक्षक और विद्यार्थी सदस्य होंगे। इनके माध्यम से विद्यार्थियों को संविधान के प्रमुख प्रावधानों, कानूनी अधिकारों और निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी नियमित रूप से दी जाएगी।

फास्ट न्यूज

तहसीलदार के व्यवहार पर भड़के जनगणना कार्मिक

आलापुर (अंबेडकरनगर)। जनगणना प्रशिक्षण के दौरान तहसीलदार के कथित अभद्र व्यवहार और बुनियादी सुविधाओं की कमी से नाराज शिक्षकों, लेखपालों और अन्य कार्मिकों ने कार्य बहिष्कार कर दिया। आमा दरवेशपुर स्थित जयप्रकाश मेमोरियल में चल रहे प्रशिक्षण के दौरान कार्मिकों ने आलापुर प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। विरोध के चलते प्रशिक्षण कार्य प्रभावित हुआ।

रास्ते के विवाद में मारपीट का आरोप

अंबेडकरनगर। हंसवर थाना क्षेत्र के नसीराबाद गांव में रास्ते को लेकर विवाद बढ़ने पर मारपीट का मामला सामने आया है। कन्हैया यादव के परिवार का आरोप है कि विपक्षी पक्ष के लोगों ने घर पर धावा बोलकर परिजनों को बाहर घसीटा और लाठी-डंडों व लात-घूंसों से पिटाई की। घटना में महिलाओं और बच्चों समेत कई लोगों को चोटें आई हैं। पीड़ित पक्ष ने पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल उठाए हैं। परिजनों के मुताबिक, मारपीट में मानवती पत्नी कन्हैया यादव, सूरसती पत्नी रामफेर यादव और कन्हैया यादव के पुत्र अभय यादव समेत कई महिलाएं और बच्चे घायल हुए हैं।

जिले में मीडिया से संगठन तक पहचान

अंबेडकरनगर। भारतीय जनता पार्टी ने वरिष्ठ नेता दुर्गा प्रसाद तिवारी को प्रदेश कार्यसमिति का सदस्य मनोनीत किया है। जिले में पार्टी के मीडिया प्रभारी और जिला उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा चुके तिवारी अब प्रदेश स्तर पर संगठन के कामकाज में भूमिका निभाएंगे। उनके मनोनयन पर जिले के भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने खुशी जताई और पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया।

50 हजार के इनामी अरविंद वर्मा की लखनऊ में गिरफ्तारी

टांडा से आजमगढ़ तक दर्ज हैं मुकदमे

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। टांडा कोतवाली में दर्ज धोखाधड़ी और एससी-एसटी एक्ट से जुड़े मामले में वांछित चल रहे 50 हजार रुपये के इनामी अरविंद वर्मा को पुलिस ने लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया। टांडा कोतवाली की टीम ने सोमवार रात 26 अक्टूबर को गोमती नगर विस्तार स्थित पार्क व्यू अपार्टमेंट में उसके आवास पर दबिश दी। पुलिस के अनुसार, रात 11:40 बजे उसे गिरफ्तार किया गया। आरोपी की तलाश में पुलिस पहले उसके पैतृक गांव जमालापुर पहुंची थी। वहां तलाश के बाद टीम लखनऊ गई और उसे उसके आवास से पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक, अरविंद वर्मा पुत्र रमापति वर्मा के खिलाफ टांडा और आजमगढ़ में

अलग-अलग वर्षों में तीन मामले दर्ज हैं। इनमें धोखाधड़ी, किसी के पास रखे धन या संपत्ति का बेईमानी से इस्तेमाल करने, गाली-गलौज और धमकी देने जैसे आरोप शामिल हैं। एक मामले में अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण कानून से जुड़े आरोप भी हैं।

टांडा कोतवालीः वर्ष 2015 में दर्ज मामले में अरविंद वर्मा पर धोखाधड़ी कर गलत तरीके से लाभ लेने, अमानत में खयानत, गाली-गलौज और धमकी देने के आरोप हैं। इसी मामले में एससी-एसटी एक्ट के तहत भी कार्रवाई हुई।

भोर में राम-भरत का मिलन, रतभर झांकियों के साथ उमड़ा बसखारी

14 विमानों के जुलूस में दिखे रामायण, कृष्णलीला और सामाजिक संदेशों के दृश्य

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। बसखारी में भरत मिलाप मेले का समापन मंगलवार भोर में भगवान राम और भरत के मिलन के साथ हुआ। पूरी रात कस्बे के बाजार में मेलार्थियों की भीड़ जुटी रही। जैसे-जैसे राम-भरत मिलाप का समय नजदीक आया, बाजार में चहल-पहल बढ़ती गई। आयोजकों के अनुसार, मेले में एक लाख से अधिक लोग पहुंचे।

मेले में 14 झांकियों से सजे जुलूस और दुर्गा पूजा के लिए तैयार पंडाल ने लोगों का ध्यान खींचा। श्रद्धालु पंडाल में दर्शन करने पहुंचे, वहीं बड़ी संख्या में लोग जुलूस देखने के लिए बाजार में जुटे रहे। हाथी-घोड़ों और ढोल-नगाड़ों के साथ निकला जुलूस पूरी रात कस्बे में भ्रमण करता रहा। भरत मिलाप जुलूस में

सीताहरण, उड़ते हनुमान, केवट की नाव पर राम, शिव की जटाओं से निकलती गंगा, कैलाश पर्वत उठाते रावण और बाणशय्या पर भीष्म पितामह जैसे प्रसंगों को झांकियों में दर्शाया गया। मछली पर राधा-कृष्ण, धुन में लीन कृष्ण, डमरू बजाते शिव, बालाजी महाराज और माता-पिता के साथ श्रवण कुमार की झांकी भी शामिल रही।

जुलूस में धरतीपुत्र, जय जवान-जय किसान और एक बिस्वा जमीन के लिए दो भाइयों के विवाद पर आधारित झांकी के जरिए सामाजिक विषय भी प्रस्तुत किए गए। अलग-अलग प्रसंगों पर आधारित झांकियों को देखने के लिए लोग बाजार में जुटे रहे। मंगलवार सुबह करीब चार बजे जुलूस भरत मिलाप गेट पर पहुंचा। यहां भरत की भूमिका निभा रहे पात्र भगवान राम के आगमन की प्रतीक्षा में खड़े थे। परंपरा के अनुसार, हनुमान ब्राह्मण वेश में भरत के पास पहुंचे और उन्हें राम के आने की सूचना दी। इसके बाद राम-भरत मिलाप का दृश्य प्रस्तुत किया गया। मिलन के दौरान श्रद्धालुओं ने जयकारे लगाए। आसपास के घरों से महिलाओं ने पुष्पवर्षा की। इसके बाद विमानों ने बाजार का भ्रमण पूरा किया और मेला सकुशल संपन्न हो गया।

पत्रकारों के सम्मान और समस्याओं पर एसपी से मिले पत्रकार

प्रेस क्लब के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बृजेंद्र वीर सिंह के नेतृत्व में सौंपा ज्ञापन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। पत्रकारों की समस्याओं और उनके सम्मान से जुड़े मुद्दों को लेकर मंगलवार को प्रेस क्लब के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह से मुलाकात की। वरिष्ठ उपाध्यक्ष बृजेंद्र वीर सिंह के नेतृत्व में पहुंचे पत्रकारों ने विभिन्न मामलों को उठाते हुए ज्ञापन सौंपा। उन्होंने संबंधित प्रकरणों की निष्पक्ष जांच कर शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस अधीक्षक ने समस्याओं को सुनकर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने साथी पत्रकारों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। इसमें राम सजन यादव से जुड़े जीतपुर यरकी गांव के रास्ते का मामला भी शामिल रहा। पत्रकारों ने संबंधित प्रकरण की जांच कर तथ्यों के आधार पर कार्रवाई करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि मामलों का निष्पक्ष निस्तारण किया जाना चाहिए, ताकि संबंधित लोगों को न्याय मिल सके। प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर उठाए गए मुद्दों पर शीघ्र कार्रवाई की मांग की। पत्रकारों ने अपने साथी से जुड़े मामले को गंभीरता से लेते हुए उसकी जांच कराने का आग्रह किया।

लंबित वादों में देरी, अधूरी रिपोर्ट और सुनवाई के अवसर की कमी का मुद्दा उठाया

राजस्व अदालतों की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल, अधिवक्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

भीटी में चकबंदी न्यायालय और आलापुर में ग्राम न्यायालय के लिए भी की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों के निस्तारण में देरी और तहसीलों में कथित अनियमितताओं को लेकर जिले के अधिवक्ताओं ने एकजुट होकर आवाज उठाई। जिला बार एसोसिएशन सहित आलापुर, जलालपुर, टांडा और भीटी बार एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने संयुक्त बैठक के बाद जिलाधिकारी ईशा प्रिया को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने निष्पक्ष सुनवाई, जरूरी अभिलेख समय से उपलब्ध कराने और तहसीलों में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग की। प्रतिनिधिमंडल

की अगुवाई जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुनील यादव ने की।

ज्ञापन में भूमि की पैमाइश, अभिलेखों में सुधार, अतिक्रमण, भूमि उपयोग और बंटवारे से जुड़े मामलों में जरूरी रिपोर्ट व पत्रावलियां समय से उपलब्ध कराने की मांग की गई। अधिवक्ताओं के मुताबिक, रिपोर्ट मिलने में देरी से सुनवाई प्रभावित होती है और वादकारियों को बार-बार तहसील के चक्कर लगाने पड़ते हैं। प्रतिनिधिमंडल ने लंबे समय से एक ही पटल पर तैनात कर्मचारियों का नियमानुसार स्थानांतरण करने और पटलों पर अनधिकृत रूप से काम कर रहे बाहरी व्यक्तियों को हटाने की मांग की। न्यायालयों के कामकाज में अनधिकृत हस्तक्षेप करने वालों के खिलाफ कार्रवाई तथा बार एसोसिएशनों के प्रस्तावों का अनुपालन सुनिश्चित कराने की भी मांग की गई। अधिवक्ताओं ने तहसील भीटी में चकबंदी अधिकारी के न्यायालय का संचालन सुनिश्चित कराने की मांग की। वहीं, आलापुर तहसील क्षेत्र के नरियावां गांव के पंचायत भवन में चल रहे ग्राम न्यायालय को तहसील परिसर में उपलब्ध उपयुक्त सामुदायिक भवन में स्थानांतरित करने का प्रस्ताव रखा। उनका कहना है कि मौजूदा भवन में जगह और जरूरी सुविधाओं की कमी से न्यायिक कार्य प्रभावित होते हैं।

लंबित मामलों में सुनवाई और समयबद्ध फैसले की मांग

अधिवक्ताओं ने उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता के तहत चल रहे मामलों में पक्षकारों को अपना पक्ष रखने और साक्ष्य प्रस्तुत करने का पर्याप्त अवसर देने की मांग की। उन्होंने एकपक्षीय कार्रवाई वाले मामलों में नियमानुसार सुनवाई कराने तथा वर्ष 2023 से लंबित प्रकरणों पर भी ध्यान देने को कहा। ज्ञापन में साक्ष्यों और अभिलेखों के आधार पर मामलों का निस्तारण करने की मांग उठाई गई।

आईजीआरएस की समीक्षा में खराब निस्तारण वाले विभागों पर डीएम सख्त

ईशा प्रिया ने शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध समाधान के दिए निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। आईजीआरएस पोर्टल पर जनशिकायतों के निस्तारण की समीक्षा में जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने खराब संतुष्टि वाले विभागों को सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल निर्धारित समय में पूरा करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समाधान की गुणवत्ता और शिकायतकर्ता की संतुष्टि पर भी ध्यान देना होगा।

कलेक्ट्रेट सभागार में हुई विभागवार समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस के माध्यम से लोग अपनी समस्याएं प्रशासन तक पहुंचाते हैं। ऐसे में प्रत्येक अधिकारी शिकायतों को गंभीरता से ले और उनका समयबद्ध व प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करे। उन्होंने स्पष्ट किया

कि इस कार्य में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को आईजीआरएस पोर्टल पर आने वाली शिकायतों की नियमित समीक्षा करने और तय समय-सीमा के भीतर उनका निस्तारण करने को कहा। उन्होंने विशेष रूप से उन विभागों को कार्यप्रणाली में सुधार लाने के निर्देश दिए, जहां शिकायतों के समाधान के बाद संतुष्टि का स्तर खराब पाया गया। अधिकारियों को शिकायतों के निस्तारण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने को कहा गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी वैभव मिश्रा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक रंजीत सिंह, अकबरपुर की ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं एसडीएम प्रतीक्षा सिंह, टांडा के ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं एसडीएम थनिगईयरसन टी समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा जिला विकास अधिकारी, परियोजना अधिकारी डीआरडीए, सभी एसडीएम और तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी, जिला पूर्ति अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, अधीक्षण अभियंता विद्युत, उपनिदेशक कृषि, जिला कार्यक्रम अधिकारी और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी बैठक में शामिल हुए।

सम्हरिया में खुली नई पुलिस चौकी अब क्षेत्र में बढ़ेगी पुलिस की पहुंच

जनसुरक्षा और अपराध नियंत्रण पर रहेगा जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अलीगंज थाना क्षेत्र के सम्हरिया में सोमवार को नवनिर्मित पुलिस चौकी का उद्घाटन किया गया। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद शिलापट्ट का अनावरण किया और फीता काटकर चौकी का लोकार्पण किया। नई चौकी खुलने से क्षेत्र में पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने और स्थानीय लोगों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

सम्हरिया में पुलिस चौकी की स्थापना का उद्देश्य क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता बढ़ाना और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करना है। इससे स्थानीय नागरिकों को अपनी समस्याएं पुलिस तक पहुंचाने में सुविधा होगी। साथ ही, शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई और अपराधों पर अंकुश लगाने में भी सहयोग मिलने की उम्मीद है। चौकी के उद्घाटन

एसपी प्राची सिंह ने किया लोकार्पण, अपराध नियंत्रण और शिकायतों के त्वरित निस्तारण में मिलेगी मदद

कार्यक्रम की शुरुआत पूजा-अर्चना से हुई। इसके बाद एसपी ने शिलापट्ट का अनावरण कर लोकार्पण किया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की मौजूदगी रही। एसपी प्राची सिंह ने कहा कि सम्हरिया में पुलिस चौकी शुरू होने से क्षेत्र की कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

नियुक्ति : नियुक्ति पत्र पाकर खिले अभ्यर्थियों के चेहरे, पहले चरण में 141 की हो चुकी है नियुक्ति

बालवाटिका को मिलेंगे 104 नए एजुकेटर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। परिषदीय विद्यालयों की बालवाटिकाओं में छोटे बच्चों को खेल और गतिविधियों के माध्यम से सीखने का अवसर देने के लिए जिले में 104 नए एजुकेटर तैनात किए जाएंगे। चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इसके साथ ही जिले में ईसीसीई एजुकेटर की नियुक्ति का दूसरा चरण भी पूरा हो गया।

कार्यक्रम में कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद, जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा उर्फ साधु वर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप देव पटेल और मुख्य विकास अधिकारी वैभव मिश्रा मौजूद रहे। अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने चयनित अभ्यर्थियों को बच्चों की सीखने की

दूसरे चरण के चयनितों का दो नवंबर से डायट आलापुर में शुरू होगा प्रशिक्षण

कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने चयनित अभ्यर्थियों से अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाने और बच्चों के साथ संवादपूर्ण तरीके से काम करने की अपेक्षा जताई। भाजपा जिलाध्यक्ष दिलीप देव पटेल ने विकसित भारत-2047 के लक्ष्य के अनुरुप शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने का आह्वान किया।

शुरुआती प्रक्रिया को सहज, रोचक और प्रभावी बनाने के लिए जिम्मेदारी से काम करने की अपील की। नियुक्ति पत्र पाने वाले दूसरे चरण के चयनित अभ्यर्थियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण दो और तीन नवंबर को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), आलापुर में होगा। प्रशिक्षण में बाल-केंद्रित और गतिविधि आधारित शिक्षण पद्धति पर जोर दिया जाएगा, ताकि बालवाटिका में पढ़ने वाले बच्चों की उम्र और सीखने की जरूरतों के अनुरूप शिक्षण गतिविधियां कराई जा सकें।

दो चरणों में 245 एजुकेटरों की नियुक्ति

बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. पूनम मिश्रा ने बताया कि पहले चरण में जिले में 141 ईसीसीई एजुकेटर नियुक्त किए जा चुके हैं। दूसरे चरण में रिक्त पदों के सापेक्ष रोजगार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन लिए गए। शासन के निर्देशों के अनुसार अभ्यर्थियों के शैक्षिक अभिलेखों का सत्यापन और साक्षात्कार कराने के बाद 104 का चयन किया गया। दोनों चरणों को मिलाकर अब तक 245 एजुकेटरों की नियुक्ति हो चुकी है।

सम्हरिया में खुली नई पुलिस चौकी अब क्षेत्र में बढ़ेगी पुलिस की पहुंच

जनसुरक्षा और अपराध नियंत्रण पर रहेगा जोर

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अलीगंज थाना क्षेत्र के सम्हरिया में सोमवार को नवनिर्मित पुलिस चौकी का उद्घाटन किया गया। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद शिलापट्ट का अनावरण कर लोकार्पण किया। नई चौकी खुलने से क्षेत्र में पुलिस व्यवस्था को मजबूत करने और स्थानीय लोगों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। सम्हरिया में पुलिस चौकी की स्थापना का उद्देश्य क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता बढ़ाना और कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करना है। इससे स्थानीय नागरिकों को अपनी समस्याएं पुलिस तक पहुंचाने में सुविधा होगी। साथ ही, शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई और अपराधों पर अंकुश लगाने में भी सहयोग मिलने की उम्मीद है।

चौकी के उद्घाटन कार्यक्रम की शुरुआत पूजा-अर्चना से हुई। इसके बाद एसपी ने शिलापट्ट का अनावरण कर लोकार्पण किया। कार्यक्रम में पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों की मौजूदगी रही। एसपी प्राची सिंह ने कहा कि सम्हरिया में पुलिस चौकी शुरू होने से क्षेत्र की कानून-व्यवस्था को और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) देवेश चतुर्वेदी, क्षेत्राधिकारी नगर प्रदीप सिंह चंदेल और अलीगंज थानाध्यक्ष सुनील कुमार पांडेय सहित अन्य पुलिस अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

सम्पादकीय

बचकानी राजनीति

दिल्ली के व्यापारियों और उद्यमियों के प्रमुख संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने राहुल गांधी से विपक्षी दलों की 1 नवंबर को रामलीला मैदान में प्रस्तावित रैली को टालने का जो अनुरोध किया था, उसे उन्होंने ठुकरा कर संवेदनहीनता और हठधर्मी का ही परिचय दिया। यह संगठन बस इतना चाह रहा था कि रैली भाई दूज के बाद की जाए, ताकि वे नुकसान से बच सकें। राहुल गांधी और उनके सहयोगी-साथी इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकते कि धनतेरस एवं दीवाली के पहले बड़े पैमाने पर खरीदारी होती है। उन्हें इसका भी आभास होना चाहिए था कि दिल्ली के कुछ इलाकों और खासकर कनाट प्लेस के व्यापारी कांग्रेस और काकरोच जनता पार्टी के अनवरत धरना-प्रदर्शन से पहले ही नुकसान उठा चुके हैं। समस्या केवल यह नहीं कि राहुल ने व्यापारियों के अनुरोध पर तनिक भी संवेदनशीलता नहीं दिखाई, बल्कि यह भी है कि उन्होंने उनके पत्र के तीन दिन बाद अपनी निष्ठुर प्रतिक्रिया में यह कहा कि उन्हें पीएम मोदी से मुख्य चुनाव आयुक्त को बर्खास्त करने को कहना चाहिए। इसे बचकानेपन के अलावा और कुछ नहीं कहा जा सकता। राहुल अच्छे से जानते हैं कि मुख्य चुनाव आयुक्त को केवल महाभियोग के जरिये हटाया जा सकता है और उसे संसद से पारित कराने की उनमें सामर्थ्य नहीं। वास्तव में इसीलिए वे कुतर्कों के सहारे यह माहौल बना रहे कि प्रधानमंत्री उनके झूठे आरोपों के कारण उन्हें हटा दें। यह राजनीतिक अपरिपक्वता की पराकाष्ठा ही है।

वोट चोरी का राहुल गांधी का शिगूफा भी झूठ पर ही टिका है। वे और अन्य विपक्षी नेता वोट चोरी का झूठ कितना ही दोहराएं, वे इसे सच सिद्ध करने में नाकाम हैं। राहुल वोट चोरी का तबसे शोर मचा रहे, जबसे बिहार में एसआईआर हुआ था, लेकिन वे अपने पक्ष में जनमत बनाने में समर्थ नहीं हुए। इसी से वे खीझे हुए हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि झूठ के पांव नहीं होते। वे झूठ के सहारे कई बार अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश कर चुके हैं, लेकिन उनकी दाल नहीं गली।

एसआईआर को वोट चोरी कहने के पहले राहुल और उनके साथियों ने ईवीएम को निशाने पर लिया था, लेकिन नाकाम ही रहे। जिस कथित वोट चोरी का आरोप लगाकर वे मुख्य चुनाव आयुक्त से इस्तीफा मांग रहे हैं, उसकी सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में हो रही है और एक याचिका तो खुद उन्होंने दायर कर रखी है। आखिर वे सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतीक्षा क्यों नहीं कर रहे हैं? क्या इसलिए कि वे अच्छे से जान रहे हैं कि वोट चोरी का आरोप झूठा है। हैरानी नहीं कि यदि एसआईआर की सुनवाई कर रहा सुप्रीम कोर्ट राहुल के मन का फैसला न दे तो वे उस पर भी चढ़ाई कर दें। उनके याचिका दाखिल करने के तरीके से यह स्पष्ट भी हुआ था।

चक्रवात 'अर्नब' और उत्तर दक्षिण पर इसका दोहरा असर

प्रकृति किसी राज्य की भौगोलिक सीमा या राजनैतिक विचारधारा को देखकर अपना रुख तय नहीं करती। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवात 'अर्नब' इस शाश्वत सत्य का सबसे ताज़ा और प्रत्यक्ष प्रमाण बनकर उभरा है। 26 अक्टूबर 2026 को गहरे कम दबाव के क्षेत्र से एक भीषण चक्रवाती तूफान में तब्दील हुआ 'अर्नब' भारत के संघीय और भौगोलिक परिदृश्य को एक अनूठे संकट में डाल रहा है। पारंपरिक रूप से यह माना जाता रहा है कि चक्रवातों का प्रकोप केवल तटीय राज्यों तक ही सीमित रहता है, लेकिन 'अर्नब' की प्रकृति और इसका आगे का मार्ग इस धारणा को पूरी तरह ध्वस्त करता है। यह संकट न केवल आंध्र प्रदेश और ओडिशा जैसे दक्षिणी व पूर्वी तटीय राज्यों को अपनी चपेट में ले रहा है, बल्कि इसके अवशेष उत्तर भारत के मैदानी इलाकों, विशेषकर दिल्ली-NCR और उत्तर प्रदेश तक पहुँचकर एक बड़ा मौसमी उलटफेर करने जा रहे हैं। यह स्थिति 'एक देश, एक संकट' के उस स्वरूप को रेखांकित करती है, जहाँ दक्षिण की लहरें उत्तर के आसमान को बदलने की ताकत रखती हैं। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, चक्रवात 'अर्नब' 28 अक्टूबर 2026 की सुबह आंध्र प्रदेश और यनम के तटों के बीच, विशेषकर बापटला और विशाखापत्तनम के पास लैंडफॉल (तट से टकराना) करने जा रहा है। इस दौरान तटीय क्षेत्रों में हवा की गति 115-125 किलोमीटर प्रति घंटे से लेकर 140 किलोमीटर प्रति घंटे के तूफानी झोंकों तक पहुँचने का अनुमान है। आंध्र प्रदेश के तटीय जिलों और पड़ोसी राज्य ओडिशा में 'रेड' और 'ऑरेंज' अलर्ट जारी कर दिए गए हैं। समुद्र में उठने वाली 5 मीटर से ऊँची लहरें और तटीय क्षेत्रों में मूसलाधार बारिश बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुँचा सकती हैं। दक्षिण तट रेलवे द्वारा एहतियातन 53 से अधिक ट्रेनों को रद्द करना और चिल्का झील में नौका सेवाओं को पूरी तरह सस्पेंड करना इस बात का संकेत है कि प्रशासन किसी भी स्तर पर ढिलाई बरतने के मूड में नहीं है।

अशोक भाटिया

करवा चौथः आस्था, प्रेम और समर्पण का पर्व

> 66 करवा चौथ की आध्यात्मिक महत्ता को समझने के लिए उसकी लोकप्रचलित व्रत-कथाओं और भारतीय पौराणिक आख्यानों के भावलोक में प्रवेश करना आवश्यक है। इस पर्व से संबद्ध वीरवती की कथा श्रद्धा, धैर्य और संकल्प की मार्मिक अभिव्यक्ति है।

भारतीय संस्कृति की आत्मा आस्था में, जीवन की मधुरिमा प्रेम में और पारिवारिक संबंधों की दृढ़ता परस्पर विश्वास में निहित है। यहां पर्व-त्योहार केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, अपितु जीवन-मूल्यों के संवाहक, सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक और मानवीय संवेदनाओं के अभिव्यक्तिपर्व हैं। करवा चौथ ऐसा ही एक विशिष्ट पर्व है, जिसमें नारी की अटूट श्रद्धा, दांपत्य प्रेम की अनन्य अनुभूति, अखंड सौभाग्य की मंगलकामना और भारतीय लोकसंस्कृति की अनुपम छटा एकाकार हो उठती है। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाया जाने वाला यह व्रत भारतीय जनमानस में पति की दीर्घायु, दांपत्य जीवन की सुख-समृद्धि तथा पारिवारिक मंगल की कामना से संबद्ध है। चंद्रदर्शन, पूजन और अर्घ्यदान के साथ संपन्न होने वाली यह परंपरा प्रेम को साधना, विश्वास को संबल और समर्पण को जीवन की उदात्त अनुभूति में रूपांतरित करती है।

लोकमान्यता के अनुसार, वीरवती अपने भाइयों की अत्यंत प्रिय बहन थी। विवाहोपरांत उसने अपने पति की मंगलकामना के लिए करवा चौथ का व्रत रखा। दिनभर निर्जल उपवास के कारण उसकी स्थिति अत्यंत दयनीय हो गई। बहन की व्याकुलता देखकर भाइयों ने कृत्रिम चंद्रमा का आभास उत्पन्न कर उसे व्रत खोलने के लिए प्रेरित किया। असमय व्रत खोलने के पश्चात उसके पति पर विपत्ति आने का प्रसंग कथा में वर्णित है। पश्चात्ताप से व्याकुल वीरवती ने पुनः श्रद्धापूर्वक व्रत का अनुष्ठान किया और अपने अटूट विश्वास के साथ पति के कल्याण की कामना की। अंततः उसके पति के जीवन से संकट दूर होने की कथा प्रचलित हुई। इस आख्यान का मूल संदेश श्रद्धा, धैर्य और निष्ठा की महत्ता में निहित है। यह कथा लोकविश्वास की संवेदनशील धरोहर है, जिसका उद्देश्य आस्था के प्रति समर्पण और संकल्प की दृढ़ता को प्रतिष्ठित करना है।

भारतीय महाकाव्य परंपरा में सावित्री और सत्यवान का आख्यान नारी के अदम्य साहस, धर्मनिष्ठा और प्रेम की अमरता का अप्रतिम उदाहरण है। महाभारत के वनपर्व में वर्णित इस कथा के अनुसार, सावित्री को ज्ञात था कि उसके पति सत्यवान की आयु अल्प है, किंतु उसने अपने निर्णय से विचलित होना स्वीकार नहीं किया। नियत समय पर जब यमराज सत्यवान के प्राण लेकर चले, तब सावित्री अपने विवेक, तर्कशीलता और अटूट संकल्प के साथ उनके पीछे चल पड़ी। उसकी धर्मसम्मत वाणी, निष्ठा और प्रज्ञा से प्रसन्न होकर यमराज ने उसे वरदान दिए और अंततः सत्यवान के जीवन की पुनर्प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त हुआ। यद्यपि सावित्री-सत्यवान का आख्यान करवा चौथ की विशिष्ट व्रत-कथा नहीं है, तथापि उसका मूल भाव इस पर्व की आध्यात्मिक चेतना से साम्य रखता है। दोनों प्रसंग यह उद्घोषित करते हैं कि प्रेम केवल भावुकता नहीं, बल्कि धैर्य, विवेक, निष्ठा और आत्मबल से अनुप्राणित जीवन-संकल्प है।

करवा चौथ की सांस्कृतिक छटा भारतीय परिवार व्यवस्था की आत्मीयता को भी उजागर करती है। प्रातःकाल सरगी ग्रहण करने से लेकर संध्या में पूजन, व्रत-कथा श्रवण, करवा पूजन और चंद्रदर्शन के पश्चात अर्घ्य अर्पित करने तक प्रत्येक परंपरा में पारिवारिक सहभागिता तथा सामूहिक मंगलकामना का भाव विद्यमान रहता है। सास-बहू के बीच स्नेह, बहनों का अपनत्व, सुहागिनों का सामूहिक पूजन और लोकगीतों की मधुर स्वर-लहरियां इस पर्व को विशिष्ट सांस्कृतिक गरिमा प्रदान करती हैं। पीढ़ी-दर-पीढ़ी हस्तांतरित होते संस्कार, लोकाचार और पारिवारिक स्मृतियां इस उत्सव के माध्यम से जीवंत बनी रहती हैं। लोकगीतों में अभिव्यक्त विरह, प्रतीक्षा, अनुराग और मंगलकामना भारतीय लोकजीवन की संवेदनशीलता तथा भावसमृद्धि का परिचय देते हैं। इस पर्व में चंद्रमा का विशेष आध्यात्मिक महत्त्व है। भारतीय परंपरा में चंद्रमा शीतलता, सौम्यता, मन की निर्मलता और भावनात्मक संतुलन का प्रतीक माना गया है। दिनभर की प्रतीक्षा के पश्चात जब व्रती चंद्रमा के दर्शन करती है, तब वह अपनी श्रद्धा, प्रेम और मंगलकामना को एक प्रतीकात्मक अभिव्यक्ति प्रदान करती है। छलनी से चंद्रमा और तत्पश्चात पति का मुख निहारने की परंपरा दांपत्य जीवन की आत्मीयता को साकार करती है। इस क्षण में केवल अनुष्ठान की पूर्णता नहीं, बल्कि जीवनसाथी के स्वास्थ्य, सुख, सान्निध्य और दीर्घ सहचर्य की कामना भी अंतर्निहित रहती है। चंद्रमा की शीतल आभा मानो संबंधों में माधुर्य, जीवन में संतुलन और परिवार में सौहार्द बनाए रखने का संदेश देती है। समय के प्रवाह के साथ करवा चौथ के स्वरूप में परिवर्तन आया है। आज यह पर्व धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक मिलन, सांस्कृतिक उत्सव और दांपत्य संबंधों के नवीकरण का अवसर भी बन गया है। तथापि इसकी सार्थकता केवल वस्त्राभूषण, उपहार और बाह्य आडंबर तक सीमित नहीं होनी चाहिए। व्रत का वास्तविक महत्त्व तभी है, जब वह अंतःकरण में पवित्रता, व्यवहार में संवेदनशीलता और संबंधों में परस्पर सम्मान का संचार करे। उपवास की आध्यात्मिक गरिमा आत्मसंयम, करुणा और उत्तरदायित्व की भावना से पुष्ट होती है। आस्था का सौंदर्य बाहरी प्रदर्शन में नहीं, बल्कि उस आंतरिक परिवर्तन में निहित है, जो मनुष्य को अधिक सहृदय, संयमी और संवेदनशील बनाता है।

समकालीन सामाजिक परिप्रेक्ष्य में यह स्वीकार करना भी आवश्यक है कि दांपत्य जीवन की मधुरता किसी एक पक्ष के त्याग अथवा कर्तव्य पर निर्भर नहीं करती। भारतीय संस्कृति में गृहस्थाश्रम को धर्मपूर्ण जीवन का महत्त्वपूर्ण आधार माना गया है, जिसमें पति-पत्नी दोनों की सहभागिता, परस्पर सहयोग और उत्तरदायित्व समान रूप से महत्त्वपूर्ण हैं। करवा चौथ का व्यापक सामाजिक संदेश यह भी है कि पति अपनी पत्नी की भावनाओं का सम्मान करे, उसके स्वास्थ्य और सुख का ध्यान रखे तथा जीवन के प्रत्येक संघर्ष में उसका सहचर बने। पत्नी का समर्पण भी उसके आत्मसम्मान, विवेक और स्वतंत्र व्यक्तित्व के साथ प्रतिष्ठित होना चाहिए। परस्पर विश्वास, समानुभूति और सम्मान से अनुप्राणित दांपत्य ही परिवार को स्थायित्व तथा समाज को संवेदनशीलता प्रदान करता है। आस्था के साथ विवेक का समन्वय भी अनिवार्य है। उपवास प्रत्येक व्यक्ति की शारीरिक क्षमता और स्वास्थ्य के अनुरूप होना चाहिए। अस्वस्थता अथवा किसी विशेष चिकित्सकीय परिस्थिति में कठोर निर्जल उपवास के स्थान पर स्वास्थ्यसम्मत निर्णय लेना ही श्रेयस्कर है। धर्म का मूल उद्देश्य जीवन का कल्याण है; अतः श्रद्धा और विवेक का संतुलन ही धार्मिक आचरण को सार्थक बनाता है। वस्तुतः करवा चौथ भारतीय संस्कृति की उस अविरल धारा का प्रतीक है, जिसमें प्रेम साधना बनता है, विश्वास संबल प्रदान करता है और पारिवारिक संबंध जीवन की अमूल्य निधि बन जाते हैं। वीरवती की लोककथा श्रद्धा एवं धैर्य की प्रेरणा देती है, जबकि सावित्री का आख्यान निष्ठा, प्रज्ञा और संकल्प की महिमा का उद्घोष करता है।

-कुंवर शील वर्धन प्रताप नारायण सिंह

ब्रिक्स संसदीय मंच...

ललित गर्ग

ब्रिक्स संसदीय मंच है शांति और न्यायपूर्ण विश्व व्यवस्था का संकल्प

आज जब दुनिया युद्धों, क्षेत्रीय संघर्षों, आर्थिक अस्थिरता, आतंकवाद, व्यापारिक तनाव और जलवायु परिवर्तन जैसी गंभीर चुनौतियों से घिरी हुई है, तब अंतरराष्ट्रीय सहयोग की सार्थकता केवल कूटनीतिक घोषणाओं में नहीं, बल्कि आम आदमी के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में निहित है। ऐसे समय में 26-27 अक्टूबर 2026 को नई दिल्ली के संविधान सदन में आयोजित 12वां ब्रिक्स संसदीय मंच वैश्विक लोकतांत्रिक संवाद, जन-केंद्रित विकास और बहुपक्षीय सहयोग की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण अवसर बनकर सामने आया है। भारत की अध्यक्षता में आयोजित यह सम्मेलन इस विश्वास को सुदृढ़ करता है कि दुनिया की समस्याओं का स्थायी समाधान टकराव, वर्चस्व और संकीर्ण राष्ट्रीय हितों में नहीं, बल्कि संवाद, सहमति और साझा जिम्मेदारी में निहित है। इस संसदीय मंच का सबसे महत्त्वपूर्ण संदेश है कि विकास का वास्तविक उद्देश्य केवल आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में सम्मान, सुरक्षा, अवसर और खुशहाली सुनिश्चित करना है। सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि, तकनीकी प्रगति, व्यापार का विस्तार और बुनियादी ढाँचे का विकास तभी सार्थक हैं, जब उनका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। विकास की चमक के बीच यदि गरीबी, भुखमरी, बेरोजगारी, असमानता और सामाजिक वंचना बनी रहती है, तो प्रगति का दावा अधूरा है। इसलिए जन-केंद्रित विकास की अवधारणा आज वैश्विक नीतियों की अनिवार्य कसौटी बननी चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला का संसदीय संवाद, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनहित को प्राथमिकता देने पर बल इसी दृष्टि से विशेष प्रासंगिकता रखता है। संसद लोकतंत्र की आत्मा है। वह केवल कानून बनाने वाली संस्था नहीं, बल्कि जनता की आकांक्षाओं, पीड़ाओं, अधिकारों और अपेक्षाओं की प्रतिनिधि है। सांसदों का दायित्व सरकारों के निर्णयों का समर्थन करना भर नहीं, बल्कि उनकी समीक्षा करना, जनहित के प्रश्न उठाना और सत्ता को जवाबदेह बनाए रखना भी है। जब विभिन्न देशों के निर्वाचित प्रतिनिधि एक मंच पर बैठकर अनुभवों और विचारों का आदान-प्रदान करते हैं, तब संसदीय लोकतंत्र की शक्ति राष्ट्रीय सीमाओं से आगे बढ़कर वैश्विक कल्याण का माध्यम बन सकती है। इस मंच की प्रासंगिकता इसलिए भी बढ़ जाती है कि वर्तमान विश्व व्यवस्था अनेक विरोधाभासों से जूझ रही है। एक ओर विज्ञान, संचार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने मानव जीवन को अभूतपूर्व क्षमताएँ प्रदान की हैं, वहीं दूसरी ओर युद्धों, अविश्वास, हथियारों की प्रतिस्पर्धा और आर्थिक विषमताओं ने मानवता के भविष्य को अनिश्चित बनाया है। ऐसे वातावरण में सांसदों का साझा दायित्व है कि वे अपने-अपने देशों की नीतियों को मानवीय संवेदनाओं, शांति और न्याय के व्यापक उद्देश्यों से जोड़ें। संसदों के बीच संवाद कार्यपालिका की कूटनीति को जनप्रतिनिधियों के अनुभवों से समृद्ध करता है और अंतरराष्ट्रीय निर्णयों में पारदर्शिता तथा लोकतांत्रिक उत्तरदायित्व को प्रोत्साहित करता है।

ब्रिक्स संसदीय मंच के चार प्रमुख आधार-संस्थागत लचीलापन, नवाचार, सहयोग और सतत विकास-भविष्य की वैश्विक राजनीति के लिए विशेष महत्त्व रखते हैं। संस्थागत लचीलापन लोकतांत्रिक संस्थाओं को संकटों के बीच भी सक्षम और उत्तरदायी बनाएगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीक के उपयोग में नैतिकता, पारदर्शिता तथा मानवीय हितों की रक्षा आवश्यक है, ताकि तकनीक सुविधा का माध्यम बने, असमानता और नियंत्रण का नहीं। इसी प्रकार सतत विकास का अर्थ आर्थिक प्रगति और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना है। जलवायु संकट का सामना कोई देश अकेले नहीं कर सकता, इसके लिए संसाधनों, ज्ञान और उत्तरदायित्व का न्यायपूर्ण बँटवारा जरूरी है। इस सम्मेलन का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष ग्लोबल साउथ अर्थात विकासशील देशों की आवाज को अंतरराष्ट्रीय निर्णय प्रक्रिया में अधिक प्रभावशाली बनाना है। विश्व की बड़ी आबादी इन देशों में निवास करती है, लेकिन वैश्विक वित्तीय व्यवस्था, व्यापारिक नियमों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में उनकी अपेक्षाओं को हमेशा पर्याप्त स्थान नहीं मिला है। खाद्य सुरक्षा, उर्वरक उपलब्धता, ऊर्जा की सुलभता, ऋण का बोझ और विकास के लिए वित्तीय संसाधनों की कमी जैसी समस्याएँ करोड़ों लोगों के जीवन को प्रभावित करती हैं।

उत्तर प्रदेश में ...

सरिता वर्मा

प्रदेश में टेक्सटाइल और विनिर्माण क्षेत्र के विकास में मुंबई के उद्योग जगत का मिलेगा साथ

टेक्सटाइल, परिधान और विनिर्माण क्षेत्र में निवेश की नई संभावनाएं तलाशने के लिए उत्तर प्रदेश ने देश के प्रमुख औद्योगिक समूहों के साथ संवाद तेज कर दिया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार का ध्येय है कि पारंपरिक उत्पादन से आगे बढ़कर उच्च मूल्यवर्धित विनिर्माण, आधुनिक प्रसंस्करण और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला विकसित किया जायेगा। इसी क्रम में मुंबई में आयोजित उद्योग गोलमेज बैठक में उत्तर प्रदेश में निवेश और कारोबारी विस्तार की संभावनाओं पर विशेष मंथन हुआ है। इस बैठक में विभिन्न औद्योगिक समूहों और विनिर्माण कंपनियों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। इस दौरान औद्योगिक इकाइयों की स्थापना, मौजूदा कारोबार के विस्तार और टेक्सटाइल क्षेत्र में नई गतिविधियों को बढ़ावा देने से जुड़े पहलुओं पर विचार किया गया। साथ ही, उद्योगों की जरूरतों के अनुरूप बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने, निवेश प्रक्रियाओं को सरल बनाने और कंपनियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने पर जोर दिया गया।

उत्तर प्रदेश में कपड़ा और परिधान उद्योग को व्यापक औद्योगिक गतिविधियों से जोड़ने की संभावनाएं बढ़ रही हैं। टेक्सटाइल प्रसंस्करण, तकनीकी वस्त्र, उन्नत सामग्री, उत्पाद विकास और अनुसंधान एवं विकास जैसे क्षेत्रों में निवेश से उत्पादन की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को मजबूत किया जा रहा है। इन क्षेत्रों में संभावनाओं का विस्तार करने पर जोर दिया गया।

लखनऊ के निकट प्रस्तावित पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क को इस दिशा में महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखा जा रहा है। एकीकृत औद्योगिक सुविधाओं के विकास से कपड़ा उत्पादन, प्रसंस्करण और अन्य संबंधित गतिविधियों को एक ही औद्योगिक परिवेश में विकसित करने में मदद मिल रही है। इससे उद्योगों को अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने, संसाधनों का बेहतर उपयोग करने और बाजार की मांग के अनुरूप कारोबार का विस्तार करने का अवसर मिलेगा। टेक्सटाइल क्षेत्र में निवेश बढ़ने का असर संबंधित उद्योगों पर भी पड़ेगा। कच्चे माल की आपूर्ति, पैकेजिंग, परिवहन और अन्य सहायक गतिविधियों में मांग बढ़ने से छोटे एवं मध्यम उद्यमों के लिए नए अवसर पैदा हो सकते हैं। इससे औद्योगिक विकास के साथ रोजगार सृजन को भी बढ़ावा मिलने की संभावना है। प्रदेश सरकार ने निवेशकों की अपेक्षाओं, परिचालन संबंधी जरूरतों और कारोबार विस्तार में आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों के निस्तारण की जानकारी दी। औद्योगिक भूमि की उपलब्धता, बुनियादी ढांचे, नीतिगत प्रोत्साहनों और निवेशक सहायता से जुड़े विषय प्रमुख रहे। कंपनियों की जरूरतों को समझकर निवेश संबंधी सुविधाओं को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में भी विचार-विमर्श किया गया। निवेश आकर्षित करने के लिए केवल प्रोत्साहन नीतियां पर्याप्त नहीं होतीं, बल्कि औद्योगिक भूमि, परिवहन संपर्क, जरूरी बुनियादी सुविधाओं और परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन की व्यवस्था भी महत्वपूर्ण होती है।

जरा हटके

वैज्ञानिक देखरेख ...

डॉ0 सीमा गुप्ता

हरदोई में केले की वैज्ञानिक खेती ने खोला किसानों की आर्थिक समृद्धि का नया मार्ग

उत्तर प्रदेश में पारम्परिक खेती के स्थान पर विविधीकरण को गति देने और कृषकों की आय में सतत वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा 'एकीकृत बागवानी विकास मिशन' का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकार के द्वारा रू0 60 एवं रू0 40 के वित्तीय अनुपात पर संचालित यह केंद्र प्रायोजित योजना राज्य के विविध चिन्हित जनपदों में संचालित है। इसका मुख्य लक्ष्य फल, सब्जी, मसाला, पुष्प तथा औषधीय एवं सगंधीय फसलों के आच्छादन, उत्पादन और उत्पादकता में वैज्ञानिक पद्धतियों के माध्यम से गुणात्मक सुधार लाना है। प्रदेश के प्रमुख कृषि बाहुल्य जनपद हरदोई में इस योजना के उत्साहजनक परिणाम सामने आ रहे हैं। जनपद की उपजाऊ जलोढ़ मृदा और अनुकूल कृषि-जलवायु परिस्थितियों के दृष्टिगत जिला प्रशासन एवं उद्यान विभाग द्वारा किसानों को परम्परागत फसल चक्र से मुक्त कर उच्च मूल्य वाली औद्यानिक फसलों की ओर मोड़ने की सुनियोजित कार्ययोजना लागू की गई है। इसके अंतर्गत क्लस्टर आधारित दृष्टिकोण अपनाकर किसानों को उन्नत तकनीक, प्रमाणित रोपण सामग्री और वित्तीय संबल सुलभ कराया जा रहा है।

बागवानी फसलों के सफल आच्छादन के लिए जनपद हरदोई में उच्च गुणवत्तायुक्त रोपण सामग्री की उपलब्धता पर विशेष बल दिया जा रहा है। योजना के तहत हाईटेक व लघु पौधशालाओं की स्थापना तथा टिशू कल्चर प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण से किसानों को रोगमुक्त एवं प्रमाणित पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके साथ ही आम और अमरूद के पुराने व अनुत्पादक बागों के वैज्ञानिक जीर्णोद्धार एवं कैनोपी प्रबंधन के लिए भी किसानों को समयबद्ध तकनीकी मार्गदर्शन और सहायता प्रदान की जा रही है। जलवायु परिवर्तन के जोखिमों को न्यूनतम करने तथा वर्ष पर्यंत उत्पादन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनपद में संरक्षित खेती को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। पॉलीहाउस, शेडनेट हाउस, प्लास्टिक टनल और मल्चिंग जैसी आधुनिक तकनीकों के प्रयोग से किसान प्रतिकूल मौसम में भी बेमौसमी और उच्च मूल्य वाली फसलों से बेहतर लाभ अर्जित कर रहे हैं। जल संरक्षण हेतु ड्रिप एवं स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई पद्धतियों के समन्वय से सीमित जल में अधिकतम उत्पादन की दिशा में ठोस कार्य किया जा रहा है। फसल कटाई के उपरान्त होने वाले नुकसान को रोकने और उपज का समुचित मूल्य दिलाने के लिए जनपद में सुदृढ़ पोस्ट-हार्वेस्ट मैनेजमेंट संरचना विकसित की जा रही है। योजना के अंतर्गत ऑन-फार्म पैक हाउस, कोल्ड स्टोरेज, राइपनिंग चौंबर, प्री-कूलिंग यूनिट और प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना पर निर्धारित मानकों के अनुसार अनुदान दिया जा रहा है। इस व्यवस्था से औद्यानिक उत्पादों का मूल्य संवर्धन हुआ है और स्थानीय किसानों को लखनऊ तथा कानपुर जैसे बड़े बाजारों से जुड़ने के बेहतर अवसर मिल रहे हैं। योजना के संचालन में पूर्ण पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए उद्यान विभाग के अधिकृत डीबीटी पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीकरण और 'प्रथम आवक-प्रथम पावक' सिद्धांत पर लाभार्थी चयन की व्यवस्था लागू है। विभागीय दल द्वारा स्थलीय भौतिक सत्यापन और जीपीएस टैगिंग के उपरांत निर्धारित अनुदान सीधे कृषकों के बैंक खातों में अंतरित किया जाता है। इस प्रक्रिया में लघु, सीमांत तथा महिला किसानों को नियमानुसार विशेष प्राथमिकता प्रदान की जा रही है।

इस पारदर्शी व्यवस्था और तकनीकी सम्बल का उत्कृष्ट उदाहरण जनपद हरदोई के विकास खंड कोथावां अंतर्गत ग्राम मुठिया निवासी कृषक भगवती प्रसाद हैं। पूर्व में वे अपनी भूमि पर पारंपरिक रूप से धान और गेहूं की खेती करते थे, जिसमें अधिक श्रम और बढ़ती लागत के सापेक्ष बहुत कम आमदनी होती थी। मौसम की अनिश्चितता और सीमित बाजार मूल्य के कारण परिवार का भरण-पोषण चुनौतीपूर्ण था। इस स्थिति से बाहर निकलने के लिए उन्होंने उद्यान विभाग के मार्गदर्शन में व्यावसायिक बागवानी की ओर कदम बढ़ाया। कृषक भगवती प्रसाद को एकीकृत बागवानी विकास मिशन योजनांतर्गत नवीन उद्यान रोपण घटक की जानकारी मिली, जिसके तहत केले की वैज्ञानिक खेती पर 42,000 रुपये प्रति हेक्टेयर अनुदान का प्राविधान है। इसी से प्रेरित होकर उन्होंने वर्ष 2025-26 में 0.4 हेक्टेयर क्षेत्रफल में टिशू कल्चर केले की खेती हेतु विभागीय पोर्टल पर पंजीकरण कराया। विधिवत पौध रोपण के उपरांत फसल सत्यापन प्रक्रिया पूर्ण होने पर उद्यान विभाग द्वारा 16,800 रुपये का अनुदान डीबीटी के माध्यम से सीधे उनके बचत बैंक खाते में अंतरित कर दिया गया।

वैज्ञानिक देखरेख और समेकित पोषक तत्व प्रबंधन के बल पर भगवती प्रसाद ने 0.4 हेक्टेयर क्षेत्र में केले की खेती करने में लगभग 1,10,000 रुपये की कुल लागत वहन की। इसके सापेक्ष उन्हें लगभग 430 क्विंटल उच्च गुणवत्तायुक्त केले की पैदावार प्राप्त हुई। बाजार में इस उपज की बिक्री से उन्हें लगभग 2,50,000 रुपये की सकल आय प्राप्त हुई। लागत घटाने और शासकीय अनुदान को जोड़ने के उपरांत उन्हें इस एकल फसल से 1,56,800 रुपये का उल्लेखनीय शुद्ध लाभ अर्जित हुआ।

पारम्परिक खेती की तुलना में सीमित समय और छोटे रकबे में प्राप्त इस शानदार आर्थिक प्रतिफल ने भगवती प्रसाद को क्षेत्र में सफलता की नई मिसाल बना दिया है। उनकी इस उपलब्धि को देखकर ग्राम मुठिया तथा आसपास के गांवों के अनेक किसान प्रेरित हुए हैं और पारम्परिक फसलों के स्थान पर केले की व्यावसायिक खेती की ओर तेजी से अग्रसर हो रहे हैं। जिला प्रशासन द्वारा ऐसे सफल कृषकों के अनुभवों को किसान गोष्ठियों में साझा कर अन्य किसानों को भी प्रेरित किया जा रहा है। हरदोई जनपद में केले और अन्य औद्यानिक फसलों के विस्तार से ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और कृषि उद्यमशीलता को भी नई गति मिली है। कृषक उत्पादक संगठनों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर ग्रेडिंग, पैकेजिंग और सीधी विपणन व्यवस्था मजबूत हो रही है, जिससे बिचौलियों की निर्भरता समाप्त हो रही है। निकटवर्ती बड़े शहरी केंद्रों की मांग को पूरा करते हुए किसानों को उनकी उपज का उचित और प्रतिस्पर्धी मूल्य मिल रहा है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में गुणात्मक सुधार आया है।

22.61 लाख अधिक किसान लाभान्वित, सपा सरकार के कार्यकाल में 14.87 लाख किसान हुए थे लाभान्वित

धान खरीद में योगी सरकार का बड़ा रिकॉर्ड

लाभ

- बीते चार साल में प्रदेश के 37.49 लाख किसानों को मिला धान खरीद का लाभ

2025-26 में सबसे ज्यादा किसान हुए लाभान्वित

साल 2022-23 में 10,95,197
2023-24 में 8,01,730
2024-25 में 7,98,731
2025-26 में 10, 53, 561

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में धान खरीद के आंकड़े योगी सरकार और पूर्ववर्ती समाजवादी पार्टी सरकार के कार्यकाल के बीच बड़ा अंतर दिखाते हैं। योगी सरकार के पिछले चार साल के कार्यकाल में 37,49,219 किसान धान खरीद से लाभान्वित हुए, जबकि समाजवादी पार्टी की सरकार के पांच साल के कार्यकाल में 14,87,519 किसानों को इसका लाभ मिला था। आंकड़ों के मुताबिक, योगी सरकार ने एक साल कम कार्यकाल में ही सपा शासन की तुलना में करीब 22.62 लाख अधिक किसानों को धान खरीद का लाभ पहुंचाया। खाद्य एवं रसद विभाग के अधिकारियों ने कहा कि धान खरीद व्यवस्था का लाभ अधिक से अधिक किसानों तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पिछले चार वर्षों में 37.49 लाख से अधिक किसानों का लाभान्वित होना इस दिशा में हुई प्रगति को दर्शाता है। वर्ष 2025-26 में 10.53 लाख से अधिक किसानों को धान खरीद का लाभ मिला। योगी सरकार का प्रयास है कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिले और सरकारी खरीद प्रक्रिया अधिक सुलभ, पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने पर जोर दिया जा रहा है। पात्र किसानों तक योजना का लाभ पहुंचाना प्राथमिकता है।

किसानों तक सरकारी खरीद का लाभ पहुंचाने पर जोर

अधिक किसानों का लाभान्वित होना इस व्यवस्था की पहुंच का अहम संकेतक है। योगी सरकार के चार साल में 37.49 लाख से अधिक किसानों का लाभान्वित होना इसी विस्तार को रेखांकित करता है। वहीं, सपा सरकार के पांच साल में लाभान्वित किसानों की संख्या करीब 14.87 लाख रही थी।

पूर्ववर्ती सरकार की तुलना में 152% अधिक किसानों को मिला लाभ

पांच साल के मुकाबले चार साल में दोगुने से अधिक किसान लाभान्वित

धान खरीद से लाभान्वित किसानों की संख्या की तुलना करें तो योगी सरकार के चार साल का आंकड़ा सपा सरकार के पांच साल के आंकड़े से लगभग 2.52 गुना है। यानी योगी सरकार के कार्यकाल में सपा सरकार की तुलना में करीब 152 प्रतिशत अधिक किसान लाभान्वित हुए। यह आंकड़ा दर्शाता है कि कम अवधि में अधिक किसानों तक सरकारी खरीद व्यवस्था का लाभ पहुंचा। धान उत्पादक किसानों के लिए सरकारी खरीद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे उन्हें अपनी उपज बेचने के लिए एक संस्थागत माध्यम मिलता है।

उत्तर प्रदेश जैसे बड़े कृषि प्रधान राज्य में धान खरीद केवल उपज खरीदने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसानों को बाजार उपलब्ध कराने और उनकी फसल के लिए निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद का अवसर देने का भी माध्यम है।

नई दिल्ली में आयोजित 12वां ब्रिक्स संसदीय मंच-2026 के समापन सत्र में लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी की अध्यक्षता एवं राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश नारायण सिंह जी की उपस्थिति में सहभागिता करते उत्तर प्रदेश विधान सभा के माननीय अध्यक्ष श्री सतीश महाना जी।

फास्ट न्यूज

'10 लाख किसानों को दिए जा रहे दलहन-तिलहन के मिनीकिट'

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि रबी सत्र में किसानों को अनुदान पर 12 लाख क्विंटल बीज उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके साथ ही दलहन और तिलहन की खेती को बढ़ावा देने के लिए 10 लाख किसानों को निःशुल्क मिनीकिट दिए जा रहे हैं। इन प्रयासों का उद्देश्य किसानों को बेहतर बीज उपलब्ध कराने के साथ फसल उत्पादन और उत्पादकता में वृद्धि करना है।

मौरंग लदा ट्रैक्टर नहर में पलटा, मौत

सरोजनी नगर, लखनऊ । लखनऊ में मंगलवार दोपहर मौरंग से लदी तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकराई और अमौसी रजबहा नहर में पलट गई। हादसे में ट्रैक्टर चला रहे मंसाराम रावत (35) की मौत हो गई, जबकि साथ बैठा मजदूर रामबाबू (19) कूदकर बच गया। लोगों ने मंसाराम को नहर से निकालकर सरोजनीनगर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना सरोजनी-नगर में हुई। पुलिस के अनुसार, हादसा हाइडिल-नटकुर चंद्रावल रोड पर हुआ है। बिजनौर-गौरी रोड स्थित दुकान से मौरंग लेकर आ रहा था।

शराब के पैसे के लिए दोस्त को मार डाला था

लखनऊ । लखनऊ के कृष्णानगर में शराब के पैसे को लेकर हुए विवाद में युवक ने अपने दोस्त की चाकू से गला रेतकर हत्या कर दी। वारदात के बाद पकड़े जाने के डर से आरोपी ने शव घर के बाहर कूड़े पर फेंक दिया था। पुलिस ने मामले में फरार चल रहे 25 हजार रुपए के इनामी आरोपी राजेश रावत उर्फ काली को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया।

पीएसीएस कर्मचारियों का 6वें दिन भी धरना जारी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । उत्तर प्रदेश में बी-पैक्स (PACS) सहकारी समितियों के कर्मचारियों का नियमित वेतन की मांग को लेकर आंदोलन तेज हो गया है। लखनऊ के ईको गार्डन में 22 अक्टूबर से PACS कर्मचारी धरना दे रहे हैं। धरने के 6वें दिन मंगलवार को कर्मचारियों ने सरकार को 1 नवंबर तक का अल्टीमेटम दिया है। उनका आरोप है कि 13 सालों से उन्हें वेतन नहीं मिला है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि तय समय तक मांग पूरी नहीं हुई तो प्रदेशभर के समिति कर्मचारी सामूहिक इस्तीफा देकर घर बैठ जाएंगे।

उनका कहना है कि आयुक्त एवं निबंधक कार्यालय के अधिकारियों से वार्ता के बावजूद नियमित वेतन को लेकर सरकार की ओर से कोई ठोस आश्वासन या लिखित निर्णय नहीं मिला है। सरकारी समिति के अध्यक्ष अरविंद सिंह चौहान ने कहा कि कर्मचारियों की मुख्य मांग नियमित वेतन की है। सरकार वेतन का इंतजाम किस मद से करती है, इससे कर्मचारियों को कोई मतलब नहीं है। अरविंद सिंह चौहान ने कहा कि कर्मचारियों को दूसरी मांगों का हवाला देकर मुख्य मुद्दे से नहीं भटकाया जाना चाहिए। वर्षों से नियमित वेतन नहीं मिलने के कारण कर्मचारी आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। कई कर्मचारियों का लाखों रुपये बकाया है, जबकि कुछ को दो से चार महीने का वेतन मिलने के बाद फिर भुगतान के लिए इंतजार करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि मंगलवार को आयुक्त एवं निबंधक कार्यालय के अधिकारी धरनास्थल पर पहुंचे और कर्मचारियों से बातचीत की।

दीपोत्सव में दिखाई देती है श्री राम नगरी के पुनर्वैभव की सबसे मनोहारी अभिव्यक्तिः सीएम योगी

अयोध्या जी में हुआ विकास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का नया सूर्योदय : मुख्यमंत्री

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2017 के पश्चात प्रारम्भ हुए दीपोत्सव को लेकर अपने भाव व उत्साह प्रदेशवासियों से साझा किए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा कि सप्तपुरियों में श्रेष्ठ श्री अयोध्या धाम अपने 10वें भव्य-दिव्य दीपोत्सव के स्वागत में पुलकित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रभु श्री राम की कृपा से वर्ष 2017 के बाद श्री अयोध्या जी में विकास और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का नया सूर्योदय हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार के प्रयासों से रामनगरी अपने प्राचीन वैभव को पुनः प्राप्त कर रही है। भव्य-दिव्य श्री राम मंदिर, महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, सुसज्जित रामपथ, नव्य घाट, आधुनिक सुविधाएं और सोलर सिटी के रूप में विकसित होती अयोध्या आज आस्था और आधुनिकता की अद्भुत संगम स्थली बन चुकी है।

दीपोत्सव में दिखाई देती है श्री राम नगरी के पुनर्वैभव की सबसे मनोहारी अभिव्यक्ति मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री राम नगरी के इस पुनर्वैभव की सबसे मनोहारी अभिव्यक्ति दीपोत्सव में दिखाई देती है। वर्ष 2017 में 1.71 लाख दीपों से प्रारंभ हुई दीपोत्सव की यात्रा आज देश-दुनिया के करोड़ों रामभक्तों की श्रद्धा और उत्साह का प्रतीक बन चुकी है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी रामभक्त दीप प्रज्ज्वलन का विश्व कीर्तिमान बनाने को तैयार हैं। यह दीपोत्सव उन पीढ़ियों के स्वप्नों का उजास है, जिन्होंने सदियों तक अपने राम की अयोध्या को त्रेतायुगीन स्वरूप में देखने की अभिलाषा संजोए रखी। आज इसका हर दीप तुष्टीकरण के अंधकार पर आस्था की विजय, सांस्कृतिक स्वाभिमान के उदय और विकसित भारत के निर्माण का संकल्प बनकर प्रज्वलित हो रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर किया पोस्ट- सप्तपुरियों में श्रेष्ठ श्री अयोध्या धाम अपने 10वें भव्य-दिव्य दीपोत्सव के स्वागत में है पुलकित

श्री हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़वाने का पाप करने वाली सरकार को 'राम की अयोध्या' के विकास से नहीं था मतलबः मुख्यमंत्री

सनातन संस्कृति के गौरव का उद्घोष करेगी हर लौ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपोत्सव का वर्णन करते हुए लिखा कि लाखों दीपों की अलौकिक आभा से जगमगाते सरयू तट, रामायण के प्रसंगों को जीवंत करती मनोहारी झांकियां, भव्य शोभायात्राएं और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां इस महोत्सव में त्रेतायुग की स्मृतियों को फिर से जीवंत करेंगी। हर दीप प्रभु श्री राम के प्रति अगाध श्रद्धा का प्रतीक होगा और हर लौ हमारी सनातन संस्कृति के गौरव का उद्घोष करेगी।

2017 से पहले उपेक्षा, अव्यवस्था और बदहाली का दंश झेल रही थी प्रभु श्री राम की प्राणप्रिय नगरी

मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती सरकार पर प्रहार किया, बताया- वर्ष 2017 से पहले प्रभु श्री राम की प्राणप्रिय नगरी अयोध्या जी उपेक्षा, अव्यवस्था और बदहाली का दंश झेल रही थीं। निर्दोष रामभक्तों पर गोलियां चलवाने वाली और पवित्र श्री हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़वाने का पाप करने वाली सरकार को 'राम की अयोध्या' के विकास से क्या मतलब?

पूर्ण पारदर्शिता व शुचिता के साथ जारी हुआ विज्ञापन, अभ्यर्थियों से सोशल मीडिया पर भ्रामक प्रचार से सचेत रहने की अपील

टीजीटी के 17,735 पदों में आरक्षण को लेकर निराधार दुष्प्रचार : चयन आयोग

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ/प्रयागराज। अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक (प्रशिक्षित स्नातक - टीजीटी) के 17,735 पदों पर निकाली गई भर्ती के संबंध में सोशल मीडिया पर फैलाई जा रही अफवाहों और भ्रामक दुष्प्रचार का उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग, प्रयागराज ने कड़ा संज्ञान लिया है। आयोग के अध्यक्ष डॉ. प्रशांत कुमार ने स्पष्ट किया है कि विज्ञापित पदों पर आरक्षण व्यवस्था शासन के स्थापित नियमों और विहित व्यवस्था के अनुरूप पूर्णतः पारदर्शी तरीके से लागू की गई है। कतिपय अवांछित तत्वों एवं संस्थाओं द्वारा सोशल मीडिया व विभिन्न मंचों पर आरक्षण को लेकर किया जा रहा दुष्प्रचार तथ्यहीन और भ्रामक है। उन्होंने बताया कि माध्यमिक शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रदेश के जनपदों में संचालित विभिन्न अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालयों से विद्यालयवार, विषयवार तथा श्रेणीवार/आरक्षण-वार रिक्त पदों को चिह्नित एवं संकलित कराकर आयोग को अधियाचन उपलब्ध कराया गया था। उत्तर प्रदेश में अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय 'एकल इकाई' (सिंगल यूनिट) के रूप में मान्य हैं और संबंधित विद्यालय का प्रबंध तंत्र ही नियुक्ति प्राधिकारी होता है। अतः विद्यालय के एकल इकाई होने के कारण प्रत्येक विद्यालय में स्वीकृत पदों की संख्या के आधार पर ही आरक्षण के प्रचलित नियमों के तहत विद्यालयवार पदों का श्रेणीवार निर्धारण किया जाता है। यह आरक्षण पूरे प्रदेश या निदेशालय स्तर पर कुल पदों की समेकित संख्या पर लागू नहीं होता है। इसी नियमावली एवं वैधानिक व्यवस्था के तहत पूर्व में भी (विज्ञापन संख्या- 01/2022 तथा 02/2022) भर्ती प्रक्रिया आयोग द्वारा शासन की मंशानुरूप पूर्ण शुचिता, निष्पक्षता और विहित प्राविधानों के अंतर्गत संपन्न कराई गई है।

अशासकीय सहायता प्राप्त विद्यालय 'एकल इकाई' के रूप में मान्य, विद्यालय स्तर पर ही लागू होते हैं आरक्षण के विहित नियम

शासन ने 'ई-ज्ञान गंगा-यूपी' पर भी स्पष्ट की वस्तुस्थिति

डॉ. प्रशांत कुमार ने बताया कि इस संबंध में शासन द्वारा भी अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल 'E-Gyan Ganga-U.P.' पर तथ्यात्मक वस्तुस्थिति स्पष्ट कर दी गई है। उन्होंने प्रदेश भर के शिक्षक अभ्यर्थियों एवं सर्वसाधारण से अपील की है कि वे सोशल मीडिया अथवा किसी भी अनधिकृत स्रोत से प्रसारित की जा रही भ्रामक सूचनाओं और अफवाहों पर तनिक भी विश्वास न करें और न ही ऐसी किसी निराधार पोस्ट को फॉरवर्ड या शेयर करें। भर्ती प्रक्रिया से जुड़ी किसी भी अधिकृत एवं प्रामाणिक जानकारी के लिए केवल आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर ही भरोसा करें।

2035 तक यूपी में 7.8 लाख ग्रीन रोजगार सृजित होंगे

नवीकरणीय ऊर्जा, ई-मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में अवसर बढ़ेंगे

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। हरित विकास के साथ उभर रहे रोजगार व उद्यमिता के अवसरों पर आयोजित कार्यशाला में कहा गया कि पर्यावरण संरक्षण के लिए किए जा रहे बदलाव से प्रदेश में वर्ष 2030 तक पांच लाख और 2035 तक 7.8 लाख ग्रीन रोजगार के अवसर सृजित होंगे। नौकरियों के अवसर नवीकरणनीय ऊर्जा (रिन्यूएबल एनर्जी), ग्रीन हाइड्रोजन, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, कचरा प्रबंधन के साथ ही कृषि वानिकी जैसे क्षेत्रों में बनेंगे। इन क्षेत्रों के लिए दक्ष कामगार तैयार करने के लिए 'उत्तर प्रदेश ग्रीन जाब्स एंड स्किलिंग मिशन' शुरू करने की सिफारिश की गई है।

मंगलवार को इंटरनेशनल फोरम फार इनवायरोमेंट स्टेनिबिल्टी एंड टेक्नालाजी (आइ-फारेस्ट) की ओर से राज्य परिवर्तन आयोग के सहयोग से आयोजित कार्यशाला में आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि पर्यावरण सुधार के प्रयासों को ग्रीन रोजगार से जोड़कर रोजगार के अवसर बढ़ाए जा सकते हैं। वर्ष 2029-30 तक विश्व में इस क्षेत्र में 2.5 करोड़ नौकरियां सृजित होंगी।

- ग्रीन इकोनॉमी से चमकेगा यूपी, 2035 तक पैदा होंगे 7.8 लाख ग्रीन रोजगार
- ग्रीन जाब्स के लिए 'स्किलिंग मिशन' शुरू करने की सिफारिश

तैयारीः रामदास अठावले बोले- योगी-शाह से करेंगे बात, मुस्लिम समाज से कांग्रेस-सपा के बहकावे में न आने की अपील

'यूपी में बीजेपी से 8 से 10 सीटें मांगेगी आरपीआई'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (RPI) उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। केंद्रीय मंत्री और RPI के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास अठावले ने मंगलवार को लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस किया। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी प्रदेश में 8 से 10 सीटों पर चुनाव लड़ने की मांग करेगी। साथ ही मुस्लिम समाज से कांग्रेस और सपा के बहकावे में न आने की अपील की है। अठावले इस संबंध में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी को पूरे प्रदेश में मजबूत करने के लिए पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई है। आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की भूमिका और सीटों को लेकर चर्चा चल रही है। रामदास अठावले ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल की तारीफ करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लिए सरकार ने काम किया है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में माफिया के खिलाफ कार्रवाई हुई और नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया। उन्होंने यह भी कहा कि गरीबों के बैंक खाते खोले गए और विभिन्न सरकारी योजनाओं के जरिए जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाई गई। विपक्ष के आरोपों पर उन्होंने कहा कि सरकार देश में बदलाव के लिए काम कर रही है और विपक्ष को भी इसमें सहयोग करना चाहिए। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद पर भी रामदास अठावले ने अपनी बात रखी।

कांग्रेस और सपा पर लगाए आरोप

रामदास अठावले ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि मुस्लिम समाज को दोनों पार्टियों के बहकावे में नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ मुस्लिम समुदाय समेत सभी वर्गों को मिला है। सरकार किसी भी वर्ग के खिलाफ नहीं है, बल्कि सभी को न्याय दिलाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने दावा किया कि गरीबों को आवास, गैस सिलेंडर और अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ मिला है। विधवा महिलाओं को भी सरकारी योजनाओं से सहायता मिली है।

प्रदेश में संगठन मजबूत करने पर जोर

रामदास अठावले ने बताया कि लखनऊ में पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक कर संगठन विस्तार और आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि RPI उत्तर प्रदेश में अपनी राजनीतिक मौजूदगी मजबूत करना चाहती है। इसके लिए पार्टी नेतृत्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर विधानसभा चुनाव में 8 से 10 सीटें देने की मांग करेगा।

जाति जनगणना पर राहुल गांधी से पूछे सवाल

केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की जाति जनगणना कराने की मांग पर सवाल उठाते हुए कहा कि जब कांग्रेस की सरकार थी, तब इस दिशा में कदम क्यों नहीं उठाए गए। उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। आठवले ने दावा किया कि सरकार ने दिव्यांगजनों के लिए नौकरियों में आरक्षण की व्यवस्था की और ओबीसी वर्ग को 27 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिला।

राजधानी में भूख हड़ताल पर बैठे 68,500 शिक्षक भर्ती अभ्यर्थी

बोले- नियुक्ति नहीं मिली तो कफन में घर जाएंगे, अंतिम सांस तक जारी रहेगा धरना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में 68,500 सहायक शिक्षक भर्ती अभ्यर्थियों का विरोध प्रदर्शन जारी है। 57 से दिनों से इको गार्डन में धरना दे रहे अभ्यर्थियों ने भूख हड़ताल शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि सरकार और अधिकारियों कि लापरवाही से घर परिवार छोड़कर धरना देना पड़ रहा है। ये प्रदर्शन अंतिम सांस तक जारी रहेगा। यदि यहां से नौकरी लेकर उठेंगे या कफन में घर जाएंगे।

अभ्यर्थियों का आरोप है कि हम किसी भी त्योहार में घर नहीं जा पा रहे हैं। लगातार कई महीनों से हम नियुक्ति की मांग को लेकर अपना घर-परिवार छोड़कर प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके बाद भी हमारी कोई सुनने वाला नहीं है। उनका कहना है कि सभी नेता और अधिकारी भी मान रहे हैं कि भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण घोटाला हुआ है फिर भी नौकरी नहीं दी जा रही है। प्रदर्शन करने नसीम ने बताया कि 10 सितंबर को हम सभी लोगों की मुलाकात बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह और माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी के साथ हुई। इस दौरान बेसिक और माध्यमिक विभाग के तमाम आलाधिकारी भी मौजूद रहे। बैठक में दोनों मंत्रियों के साथ अधिकारियों ने भी इस बात को स्वीकार किया कि घोटाला हुआ है।

3 महीने से घर छोड़कर कर रहे प्रदर्शन

प्रदर्शन कर रहे नवीन चौधरी ने कहा कि मुरादाबाद से आए हैं और 3 महीने से घर छोड़कर इको गार्डन में रह रहे हैं। इन्होंने बताया कि रक्षाबंधन पर भी घर नहीं गया उसके बाद दशहरा आया उसमें भी घर नहीं गया और अब दिवाली आने वाली है, अगर नियुक्ति नहीं मिली तो दिवाली पर भी घर नहीं जाएंगे। इन्होंने बताया कि परिवार में इनके अलावा सिर्फ बूढ़े माता-पिता है। कौन है अकेला छोड़कर मजबूरी में यहां पड़े हुए हैं। जब बुजुर्ग मां-बाप फोन करके पूछते हैं कि घर कब आओगे नौकरी कब तक लगेगी तो कोई जवाब नहीं रहता है सिर्फ आंसू निकलते हैं।

बेटे का एक्सीडेंट हुआ था, उसे देखकर बहराइच से लौट रहे थे, क्रेन से निकाली कार

तालाब में डूबी कार में मिले तीन कारोबारियों के शव

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर में सोमवार देर रात तालाब में डूबी आल्टो कार में 3 कारोबारियों के शव मिले। ड्यूटी से घर लौट रहे कुछ ग्रामीणों को तालाब में कुछ तैरता दिखा। टॉर्च जलाई तो कार की छत दिखाई दी। उन्होंने पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने क्रेन की मदद से कार बाहर निकलवाई तो 2 शव आगे और एक पीछे की सीट पर था। शवों के पास से मिले डॉक्यूमेंट से उनकी पहचान राकेश चौरसिया (50), सतीश निर्मल (40) और रामेंद्र सिंह (62) के रूप में हुई।

पुलिस ने परिजनों से बात की तो पता चला कि बहराइच में राकेश के बेटे का एक्सीडेंट हुआ था। उसे देखने वो 2 दोस्तों के साथ बहराइच रवाना हुए थे। वापस आते वक्त परिवार से बात हुई, फिर कोई संपर्क नहीं हुआ।

इधर, बेटा मोहन अपने दोस्त के साथ देर रात घर वापस आ गया। बताया कि पापा को कुछ काम आ गया था। इस वजह से वह देर से बहराइच से निकले। हालांकि, देर रात तक तीनों घर नहीं लौटे तो परिवार को चिंता हुई। परिजनों ने फोन मिलाना शुरू किया तो किसी का फोन नहीं लगा। सोमवार दोपहर 12 बजे मोबाइल बंद होने पर गुमशुदगी दर्ज कराई। पुलिस ने सिधौली-बहराइच रूट के CCTV खंगालने शुरू किए। घर से करीब 20 किमी दूर कंदुनी फैक्ट्री के CCTV में कार घर की तरफ आती दिखी। इसके बाद पुलिस ने फैक्ट्री और घर के बीच तलाशी अभियान चलाया। मोबाइल नंबर ट्रेस करना शुरू किया तो लास्ट लोकेशन खुर्द गांव के पास मिली। पुलिस इलाके की छानबीन कर ही रही थी कि रात करीब डेढ़ बजे पंचपीर गांव के लोगों ने पुलिस को सूचना दी कि गांव के तालाब में एक कार गिरी है। कार बाहर निकलवाई तो अंदर शव मिले। शुरुआती जांच में डूबने से मौत की बात आ रही है।

बेटे का एक्सीडेंट हुआ तो पिता देखने गए

सीतापुर के सिधौली निवासी राकेश चौरसिया के बेटे मोहन का रविवार दोपहर 4 बजे बहराइच में एक्सीडेंट हो गया था। उसे हल्की चोटें आई थीं। बेटे को घर लाने के लिए राकेश ने बहराइच जाने का प्लान बनाया।

यह बात जब पड़ोसी सतीश और अटरिया निवासी रामेंद्र को बताई तो उन्होंने भी साथ चलने की इच्छा जताई। शाम 5 बजे तीनों सतीश की आल्टो कार (UP 32 EE 4038) से रवाना हुए और रात में बहराइच पहुंच गए।

पुलिस ने SDRF की मदद से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। क्रेन से कार को तालाब से बाहर निकाला।

> घटना जिला मुख्यालय से 42 किलोमीटर दूर कमलापुर थाना क्षेत्र के पंचपीर गांव की है। प्रभारी निरीक्षक अतुल चौधरी ने बताया कि शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं। घटना से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

होमगार्ड भर्ती धांधली में एसीएमओ से पूछताछ होगी

डॉक्टरों ने कितने अभ्यर्थियों से वसूली रकम

तमसा संकेत, एजेंसी

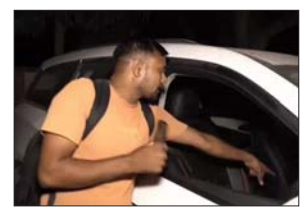

कानपुर । होमगार्ड भर्ती परीक्षा के मेडिकल चेकअप में कथित धांधली की जांच तेज हो गई है। पुलिस अब पता लगाएगी कि आरोपी डॉक्टरों ने कितने अभ्यर्थियों से कितनी रकम वसूली और पैसा किन-किन खातों में ट्रांसफर हुआ। इसके लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और कोटक महिंद्रा बैंक से जानकारी मांगी गई है। मेडिकल के लिए गठित डॉक्टरों के पैनल में ऐन वक्त पर बदलाव क्यों किया गया, इसकी पड़ताल के लिए पुलिस एसीएमओ से भी पूछताछ करेगी। जांच में मेडिकल चेकअप के दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों और होमगार्डों की भूमिका भी सामने आई है। पुलिस यह पता लगा रही है कि प्रतिबंध के बावजूद अभ्यर्थियों तक मोबाइल कैसे पहुंचे और परीक्षा स्थल पर उनके परिजन नकदी लेकर कैसे पहुंचे। इसके लिए होमगार्ड विभाग से ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों की सूची मांगी गई है। पुलिस लाइन और आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। अभ्यर्थियों के पास मोबाइल किन कर्मचारियों की मिलीभगत से पहुंचा ? परीक्षा स्थल पर परिजन कैसे पहुंचे ? इन सब तथ्यों की जांच के लिए एसीपी कोतवाली ने होमगार्ड डिपार्टमेंट में परीक्षा के दौरान ड्यूटी में तैनात कर्मियों की सूची मांगी है। साथ ही पुलिस लाइन के आसपास के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

फास्ट न्यूज

राज्यपाल के दौरे से पहले आगरा में जाम

आगरा। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल मंगलवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय में दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ करने आगरा पहुंचीं। इस दौरान वीआईपी मूवमेंट के चलते शहर में भीषण जाम लग गया। आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। सुरक्षा व्यवस्था के नाम पर सिकंदरा-बोदला रोड, नेशनल हाईवे और खंदारी मार्ग पर पुलिस ने करीब एक घंटे पहले ही बैरिकेडिंग कर ट्रैफिक रोक दिया।

भाजपा प्रदेश कार्यसमिति में आगरा के 15 नेता शामिल

आगरा। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने अपने संगठनात्मक ढांचे में नई जिम्मेदारियां तय की हैं। सोमवार देर शाम प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने प्रदेश कार्यसमिति की सूची जारी की। इसमें आगरा के 15 नेताओं को कार्यसमिति सदस्य बनाया गया है, जबकि सांसदों, मंत्रियों और विधायक को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। पार्टी की ओर से जारी सूची में कुल 712 नेताओं को तीन श्रेणियों में जगह दी गई है। इनमें 548 प्रदेश कार्यसमिति सदस्य, 134 विशेष आमंत्रित सदस्य और 30 स्थायी आमंत्रित सदस्य हैं।

राज्य रोलर स्केटिंग में पदक जीते

आगरा । नोएडा में आयोजित 12वीं उत्तर प्रदेश राज्य रोलर स्केटिंग चैंपियन-शिप में आगरा के दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट (डीईआई) से संबद्ध विद्यालयों की दो छात्राओं ने पदक जीते। उनके प्रदर्शन से विद्यालय परिवार और अभिभावकों में खुशी है। डीईआई सरन आश्रम नगर स्कूल की कक्षा पांच की छात्रा सरगुन भटनागर ने आर्टिस्टिक स्केटिंग में कांस्य पदक हासिल किया।

पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ ने किया ताजमहल का दीदार

मुख्य मकबरे तक पहुंचे, फैंस के साथ खिंचवाईं तस्वीरें

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा । जाबी सिंगर और अभिनेता दिलजीत दोसांझ मंगलवार सुबह करीब 5:30 बजे ताजमहल पहुंचे। उनके साथ करीब 14 लोगों की टीम भी थी। इस दौरान वह मुख्य मकबरे तक पहुंचे और ताजमहल की खूबसूरती निहारी। परिसर में करीब एक घंटे रहे।

दिलजीत लाल जैकेट, सफेद पगड़ी और नीली जींस पहने नजर आए। उन्होंने ताजमहल के साथ तस्वीरें खिंचवाईं और रील भी शूट की। परिसर में घूमने के लिए उन्होंने ई-कार्ट का इस्तेमाल किया। उनके दौरे के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम रहे। भ्रमण के दौरान दिलजीत ने सफेद संगमरमर पर की गई बारीक नक्काशी और इमारत की वास्तुकला को निहारा। उन्होंने अलग-अलग स्थानों पर वीडियो भी बनाए।

गोंडा में बैंड-बाजा, खाना, मंडप सब बर्बाद हो गया, मां बोली-थार मांग रहा था

दूल्हा बारात नहीं लाया दुल्हन बेहोश होकर गिरी

तमसा संकेत, एजेंसी

गोंडा । गोंडा में शादी में THAR नहीं देने पर दूल्हा बारात लेकर नहीं आया। दुल्हन और उसके परिवार-वाले रातभर बारातियों को इंतजार करते रहे। कई बार समझाने के बाद भी दूल्हा राजी नहीं हुआ। उसने बिना गाड़ी लिए शादी से इनकार कर दिया। इससे शादी के जोड़े में तैयार बैठी दुल्हन को सदमा लग गया और वह रोते-रोते कई बार बेहोश हो गई। हालत खराब होने पर दुल्हन को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मंगलवार सुबह परिवारवालों ने थाने में दूल्हे और उसके घरवालों के खिलाफ शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। मामला नगर कोतवाली क्षेत्र का है। कटारिया मोहल्ले के रहने वाले मिर्जा अजमल बेग पेशे से ड्राइवर हैं। परिवार में पत्नी नाजो खातून, बेटी नौशबा मिर्जा बेग और एक बेटा है।

अजमल ने नौशबा का निकाह करीब एक साल पहले गोरखपुर में रहने वाले मोहम्मद असलम के बेटे मोहम्मद सलमान से तय किया था। सलमान 3 भाई और एक बहन में सबसे बड़ा है। अभी विदेश में रहकर पढ़ाई कर रहा है।

सोमवार (26 अक्टूबर) को निकाह की तारीख तय हुई थी। इसके लिए शहर में स्थित मैरिज पैलेस बुक किया गया था। शादी के लिए दुल्हन हाथों में मेहंदी रचाकर तैयार बैठी थी। रिश्तेदार भी बारात आने का इंतजार कर रहे थे।

तय समय बीतने के बाद भी जब बारात नहीं पहुंची, तो दुल्हन वालों ने दूल्हे के घरवालों को फोन किया। काफी देर तक दूल्हे वाले बारात निकलने की बात कहकर टालते रहे।

मां नाजो खातून ने बताया- होने वाला दामाद शादी फिक्स होने के बाद हमारे घर अक्सर आता-जाता था। 15-15 दिन हमारे घर पर ही रहता था। पहले दूल्हे और उसके घरवालों ने कहा था कि हमें कुछ नहीं चाहिए। केवल सादगी से निकाह कर दीजिए। इस पर हमने कहा था कि हमारी एक ही बेटी है। हम अपनी हैसियत के हिसाब से दहेज में बाइक देंगे। उस समय वो लोग मान गए थे।

मां का कहना है कि हमारे परिवार के बुजुर्गों ने दूल्हे वालों से हाथ जोड़कर मिन्नतें कीं, लेकिन वे अपनी मांग पर अड़े रहे और शादी करने से इनकार कर दिया। खाना, बैंड-बाजा सब बेकार हो गया।

नगर कोतवाल बिंदेश्वरी मणि त्रिपाठी ने बताया- पुलिस ने मौके पर पहुंचकर के घरवालों से पूरी बात पूछी। दूल्हे के परिवार से भी संपर्क किया जा रहा है।

दुल्हन की मां नाजो खातून ने बताया- रात 12 बजे के बाद दूल्हे वालों ने साफ कह दिया कि अगर दहेज में थार नहीं दी, तो शादी नहीं होगी। बारात नहीं आने और रिश्ता टूटने की बात सुनते ही बेटी गश खाकर बेहोश हो गई। लोगों ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया।

देवरिया में 3 लाख में सुपारी दी, वजह-अफेयर खुलने का डर था, हथौड़े से सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी

सरकारी नर्स ने गर्भवती भाभी की हत्या कराई

तमसा संकेत, एजेंसी

देवरिया । देवरिया में सरकारी नर्स ने कॉन्ट्रैक्ट किलर से अपनी गर्भवती भाभी की हत्या करा दी। भाभी उसके अफेयर में रोड़ा बन रही थी। उसने अपने प्रेमी के साथ मिलकर हत्या के लिए 3 लाख रुपये में सौदा तय किया था। अपने गहने गिरवी रखकर किलर को ढाई लाख रुपये एडवांस दिए थे।

पुलिस के अनुसार, नर्स के कहने पर हत्यारोपी ने अपने साथी के साथ सरकारी आवास में घुसकर भाभी का गला घोंटा। इसके बाद हथौड़े से सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी।

वारदात 24 अक्टूबर की देर रात जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर रुद्रपुर कस्बे में हुई थी। हत्या के बाद नर्स ने नाटक करते हुए खुद पुलिस को सूचना दी थी। नर्स का परिवार गोरखपुर के सहजनवां क्षेत्र का रहने वाला है। वह देवरिया में नौकरी करती थी। शुरुआत में मृतका की मां ने दहेज हत्या का आरोप लगाते हुए नर्स समेत पांच ससुरालियों के खिलाफ FIR दर्ज कराई थी। हालांकि, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद पुलिस का शक नर्स पर गहराया। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने सुपारी देकर हत्या कराने की बात कबूल कर ली। इसके बाद सोमवार रात पुलिस ने एक आरोपी को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। गोरखपुर जिले के सहजनवां थाना क्षेत्र के चांदबाड़ी गांव निवासी चमनलाल विश्वकर्मा की छोटी बहन पूर्णिमा स्टाफ नर्स है। उसकी शादी नहीं हुई है। देवरिया के रुद्रपुर सीएचसी पर करीब 5 साल से तैनात है। वहीं अपने सरकारी आवास में रहती है।

प्रेमी ने किलर से कराया संपर्क

पुलिस के मुताबिक, पूर्णिमा के प्रेमी ने गोरखपुर के एक सुपारी किलर से संपर्क किया। गुड़िया की हत्या के लिए तीन लाख रुपये में सौदा तय हुआ। इसमें ढाई लाख रुपये एडवांस दिए गए। 24 अक्टूबर की रात गुड़िया सीएचसी परिसर स्थित सरकारी आवास की तीसरी मंजिल पर थी। वह और पूर्णिमा अलग-अलग कमरों में सो रहे थे। साजिश के तहत पूर्णिमा ने गुड़िया की तीन साल की बेटी को बहाने से अपने पास सुला लिया, जबकि गुड़िया कमरे में अकेली थी। रात करीब 11 बजे पूर्णिमा ने सुपारी किलर को बुलाया। वह अपने साथी के साथ सरकारी आवास पहुंचा। कमरे में घुसकर उन्होंने दरवाजा बंद कर लिया। इसके बाद रस्सी से गुड़िया का गला घोंट दिया और हथौड़ी से सिर पर वार कर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद दोनों बदमाश फरार हो गए। इसके बाद पूर्णिमा ने हत्या का शोर मचाया और पुलिस को सूचना दे दी, ताकि खुद को शक से बचा सके।

एसपी भी रात में मौके पर पहुंचे

सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। एसपी अभिजीत आर. शंकर ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। इस दौरान गुड़िया की मां लालती देवी ने ससुराल वालों पर दहेज के लिए हत्या करने का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। उनकी तहरीर पर पुलिस ने पति चमनलाल, सास उर्मिला देवी, ननद पूर्णिमा विश्वकर्मा, जेठ अभिमन्यु और जेठानी बनदेवी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया। जांच के दौरान पुलिस ने ननद, पति समेत कुछ अन्य लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की।

लाइन शॉर्ट कर ट्रांसफार्मर और तार चुराते थे, 7 अरेस्ट

कानपुर में स्कॉर्पियो से ले जाकर कबाड़ी को बेचते थे

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में स्कॉर्पियो से देर रात ग्रामीण इलाकों में घूमकर ट्रांसफार्मर और बिजली के तार चोरी करने वाले गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। पुलिस ने गिरोह के सात आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। आरोपियों ने बिठूर और चौबेपुर में ट्रांसफार्मरों से कॉपर की क्वॉइल और बिजली के तार चोरी किए थे। सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से पुलिस गिरोह तक पहुंची। पुलिस ने आरोपियों के पास से नकदी, कॉपर, एल्युमीनियम के तार, ट्रांसफार्मर की क्वॉइल और वारदात में इस्तेमाल स्कॉर्पियो बरामद की है।

डीसीपी वेस्ट एसएम कासिम आबिदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके ट्रांसफार्मर चोरी करने वाले गैंग का खुलासा किया। डीसीपी ने बताया कि अभी कुछ दिनों पहले चौबेपुर और बिठूर में शातिर चोरों ने लाइन में शॉर्ट सर्किट करने के बाद कई ट्रांसफार्मरों से कॉपर चोरी कर ले गए थे। इसके साथ ही कई किमी. दूरी तक बिजली के तार भी पोल से उतार ले गए थे। मामले में बिजली विभाग ने चौबेपुर और बिठूर थाने में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस की टीमें खुलासे के लिए काम कर रही थीं। जांच के दौरान संदिग्ध स्कॉर्पियो पुलिस को दिखाई थी, इस गाड़ी के नंबर और सर्विलांस की मदद से गिरोह के सरगना हनुमंत विहार नौबस्ता निवासी रंजीत श्रीवास्तव कबाड़ी तक पहुंची।

पृष्ठ 01 का शेष...

यूपी में गाय खरीदने ...

प्रस्ताव के अनुसार, पशुपालकों को आर्थिक सहायता देने के साथ पशुओं का बीमा भी कराया जाएगा। बीमा की कुल लागत का 85 फीसदी हिस्सा सरकार और 15 फीसदी हिस्सा किसान वहन करेंगे। योजना के तहत एक गाय पर 50 हजार रुपये का अनुदान देने का प्रावधान बताया गया है। सरकार का उद्देश्य पशुपालन क्षेत्र में आधुनिक तकनीक, बेहतर नस्ल और बाजार व्यवस्था के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाना तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर पैदा करना है।

उत्तर प्रदेश में कंपनियों के विलय (मर्जर) और विभाजन (डी-मर्जर) की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए स्टांप ड्यूटी से जुड़ा प्रस्ताव तैयार किया गया है। स्टांप मंत्री रविंद्र जायसवाल ने बताया कि अभी तक प्रदेश में कंपनियों के मर्जर और डी-मर्जर के लिए स्टांप ड्यूटी का स्पष्ट प्रावधान नहीं था। इसके कारण उद्यमियों को प्रक्रिया के दौरान भ्रम और आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था।

मंत्री के मुताबिक, प्रस्ताव के तहत कंपनी के मर्जर या डी-मर्जर में शेयर वैल्यू पर 0.50 फीसदी स्टांप ड्यूटी लगाने का प्रावधान किया गया है। यदि संबंधित मामले में संपत्ति शामिल है, तो उस पर दो फीसदी स्टांप ड्यूटी का प्रस्ताव है। कंपनी का पंजीकरण कराने और कंपनी रजिस्ट्रार (आरओसी) की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शेयर वैल्यू के आधार पर स्टांप ड्यूटी देनी होगी।

भारत में इनोवेशन ...

पीएम मोदी ने कहा, 'भारत में इनोवेशन की परंपरा रही है। शून्य की खोज और नंबर सिस्टम का विकास भारत की वैज्ञानिक विरासत के उदाहरण हैं। अब इसी विरासत के दम पर नई तकनीकें विकसित करनी हैं।'

'AI कई नियमित काम कर सकता है, लेकिन इससे वैज्ञानिक सोच और सवाल पूछने की प्रवृत्ति कमजोर नहीं होनी चाहिए। देश को तकनीक अपनाने के साथ नई खोज और अनुसंधान पर भी जोर देना होगा।' 'भारत को AI, सेमीकंड-क्टर, अंतरिक्ष और साइबर सुरक्षा जैसी अहम तकनीकों में अपनी क्षमता बढ़ानी होगी। लक्ष्य सिर्फ तकनीक इस्तेमाल करना नहीं, बल्कि देश में समाधान विकसित करना भी है।' 'वैज्ञानिक अनुसंधान का मकसद सिर्फ बड़ी खोजें करना नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी जरूरतों को बेहतर बनाना भी है। तकनीक तभी उपयोगी है, जब उसका लाभ आम लोगों तक पहुंचे।'

पीएम मोदी ने कहा, 'हमें अपने वैज्ञानिकों और संस्थानों को आज की जरूरतों के साथ भविष्य के लिए भी तैयार करना है। एआई, स्पेस और सेमीकंडक्टर ऐसे सेक्टर हैं जो फ्यूचर को शेप और सेफ करेंगे। इसलिए नई-नई कोशिशें की जा रही हैं।'

भारत में इनोवेशन ...

पीएम मोदी ने कहा, 'भारत में इनोवेशन की परंपरा रही है। शून्य की खोज और नंबर सिस्टम का विकास भारत की वैज्ञानिक विरासत के उदाहरण हैं। अब इसी विरासत के दम पर नई तकनीकें विकसित करनी हैं।'

'AI कई नियमित काम कर सकता है, लेकिन इससे वैज्ञानिक सोच और सवाल पूछने की प्रवृत्ति कमजोर नहीं होनी चाहिए। देश को तकनीक अपनाने के साथ नई खोज और अनुसंधान पर भी जोर देना होगा।'

'भारत को AI, सेमीकंडक्टर, अंतरिक्ष और साइबर सुरक्षा जैसी अहम तकनीकों में अपनी क्षमता बढ़ानी होगी। लक्ष्य सिर्फ तकनीक इस्तेमाल करना नहीं, बल्कि देश में समाधान विकसित करना भी है।'

मान्यता प्राप्त पत्रकारों ...

इस प्रक्रिया में मुख्यालय एवं प्रदेश के समस्त जिला सूचना कार्यालयों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया। सूचना निदेशक ने बताया कि पोर्टल को पत्रकारों के लिए सरल एवं सुगम बनाया गया है ताकि अधिक से अधिक मान्यता प्राप्त पत्रकार बंधु व उनके परिजनों को इसका त्वरित लाभ मिल सकें। उन्होंने प्रदेश के समस्त जनपदीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि ऐसे पत्रकार, जो मान्यता प्राप्त है, उनके व उनके परिजनों के आयुष्मान कार्ड अभी तक नहीं बने है।

एक सप्ताह के अंदर समस्त औपचारि-कताएं पूर्ण करते हुए पोर्टल पर अपलोड करना सुनिश्चित करे। साथ ही मुख्यालय को भी अवगत कराए, ताकि मुख्यालय स्तर से अग्रेतर कार्यवाई त्वरित गति से सुनिश्चित करायी जा सके। इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता एवं लापरवाही न बरती जाएं।

मेरठ में अखिलेश के ...

5 स्नातक और 6 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों में हुए चुनाव में कुल 152 प्रत्याशी हैं। बैलेट पेपर से चुनाव हुआ। सभी जगह के नतीजे कल दोपहर के बाद आएंगे।

इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक निर्वाचन की पहले राउंड की मतगणना में भाजपा के अशोक कुमार राठौर 3,291 वोटों के साथ आगे चल रहे हैं। सपा के डॉ. मानसिंह यादव को 2,307 वोट मिले हैं, जबकि शिवशंकर पटेल को 486 वोट मिले। अशोक राठौर, डॉ. मानसिंह यादव से 984 वोट आगे हैं। आगरा स्नातक MLC सीट पर पहले राउंड की मतगणना के बाद भाजपा प्रत्याशी डॉ. मानवेंद्र प्रताप सिंह आगे चल रहे हैं। मतपत्र पर मतदाता उम्मीदवारों के नाम के सामने अपनी पसंद के क्रम में नंबर लिखा रहता है।

सबसे पहले नंबर-1 यानी पहली पसंद के वोट गिने जाएंगे। अगर किसी प्रत्याशी को जीत के लिए जरूरी वोट यानी 50% से ज्यादा वोट मिल जाते हैं, तो उसे विजेता घोषित कर दिया जाता है। अगर जरूरी वोट नहीं जुटा पाया, तो सबसे कम वोट पाने वाले उम्मीदवार को बाहर कर दिया जाता है। नियमों के मुताबिक, उसके मतपत्रों पर दर्ज दूसरी वरीयता के वोट अन्य प्रत्याशियों को दिए जाएंगे।

वोट चोरी टॉप लेवल से ...

विपक्षी INDIA ब्लॉक वोटर लिस्ट के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) और वोटरों के नाम काटने में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहा है। कांग्रेस ने 30 अक्टूबर को मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग जैसी सार्वजनिक कार्यवाही करने की योजना बनाई है।

इसके बाद 1 नवंबर को 'दिल्ली चलो' मार्च और रामलीला मैदान में जनसभा होगी। कांग्रेस ने 25 अक्टूबर से 3 नवंबर तक दिल्ली नगर निगम से रामलीला मैदान में कार्यक्रम करने की इजाजत भी ली थी। दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि कांग्रेस की रामलीला मैदान में रैली की इजाजत रद्द नहीं की गई है। पहले दी गई इजाजत में कोई बदलाव नहीं हुआ है। पुलिस सूत्रों ने कहा कि अशोका होटल में प्रस्तावित मॉक पार्लियामेंट कार्यक्रम पर फैसला होटल को लेना है, क्योंकि यह निजी संपत्ति है।

ई20 के खिलाफ पैसे ...

हाईवे की क्वालिटी से समझौता नहीं किया जाएगा। अगले दो महीने में हाईवे परियोजना शुरू होने के बाद दिल्ली से हरिद्वार का सफर 90 मिनट में पूरा हो सकेगा। चारधाम परियोजना का 80-85% काम पूरा हो चुका है। उत्तराखंड में धार्मिक स्थलों की ओर जाने वाले यातायात में तीन गुना बढ़ोतरी हुई है।

आईजीआरएस ...

हालांकि वायरल वीडियो की पुष्टि दैनिक समाचार पत्र तमसा संकेत नहीं करता है। ऐसे में फुटेज की प्रामाणिकता और उसमें दर्ज घटनाक्रम की जांच अहम होगी। लाल चंद्र ने प्रभारी निरीक्षक को दिए शिकायती पत्र में मारपीट, जमीन के दस्तावेज और वाहन की चाबी ले जाने तथा धमकी देने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने मामले में कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में संजय राजभर को अकबरपुर विधायक रामअचल राजभर का पुत्र और भानमती स्मारक महाविद्यालय का प्रबंधक बताया गया है।

25 साल बाद इंग्लैंड के फुटबॉलर को मिला, विमेंस में एलेक्सिया पुतेलास की तीसरी जीत

हैरी केन ने जीता बैलन डी'ओर अवॉर्ड

सम्मान

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड के कप्तान और बायर्न म्यूनिख के स्टार स्ट्राइकर हैरी केन ने 2026 का बैलन डी'ओर अवॉर्ड जीत लिया है। वे 25 साल बाद यह अवॉर्ड हासिल करने वाले पहले इंग्लिश फुटबॉलर बने हैं।

उनसे पहले 2001 में माइकल ओवेन ने यह अवॉर्ड जीता था। यह अवॉर्ड सेरेमनी सोमवार को लंदन में हुई। केन ने पिछले सीजन क्लब और देश के लिए 73 गोल किए। वे यूरोप के टॉप स्कोरर रहे। वोटिंग में उन्होंने फ्रांस के किलियान एम्बाप्पे, स्पेन के लेमिन यामल, 2024 के विजेता रोड्री और रिकॉर्ड 8 बार के विजेता लियोनेल मेसी को पीछे छोड़ा। यामल लगातार तीसरे साल बेस्ट यंग प्लेयर चुने गए।

बैलन डी'ओर समारोह में ट्रॉफी के साथ इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन और महिला वर्ग की विजेता एलेक्सिया पुतेलास।

स्पेन की मिडफील्डर एलेक्सिया पुतेलास ने विमेंस बैलन डी'ओर का खिताब तीसरी बार अपने नाम किया। उन्होंने इससे पहले 2021 और 2022 में लगातार दो बार यह अवॉर्ड जीता था।

पुतेलास ने पिछले सीजन अपनी पूर्व टीम बार्सिलोना को विमेंस चैंपियंस लीग सहित कई खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने दिसंबर में स्पेन को विमेंस नेशंस लीग का खिताब जिताने में भी योगदान दिया। 32 साल की पुतेलास ने स्पेन की अपनी साथी एताना बोनमाटी के लगातार तीन साल के दबदबे को खत्म किया। बोनमाटी ने 2023, 2024 और 2025 में यह अवॉर्ड जीता था, लेकिन पैर में फ्रैक्चर के कारण इस बार शॉर्टलिस्ट में जगह नहीं बना सकीं।

बायर्न को दिलाया बुंडेसलीगा और जर्मन कप का खिताब

केन ने बायर्न म्यूनिख को बुंडेसलीगा और जर्मन कप का खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने जर्मन कप के फाइनल में स्टटगार्ट के खिलाफ हैट्रिक लगाई। वर्ल्ड कप में भी केन का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने 6 गोल किए और इंग्लैंड के लिए वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी बनने के मामले में गैरी लिनेकर को पीछे छोड़ दिया। उनकी कप्तानी में इंग्लैंड ने सेमीफाइनल में अर्जेंटीना से हारने के बाद तीसरे स्थान के मुकाबले में फ्रांस को हराया।

पहली बार लंदन में हुआ समारोह

बैलन डी'ओर समारोह पहली बार लंदन में आयोजित किया गया। इसके जरिए 1956 में इस पुरस्कार के पहले विजेता बने इंग्लैंड के स्टेनली मैथ्यूज को भी सम्मान दिया गया।

इंग्लैंड के कोच थॉमस ट्यूशेल ने भी केन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड की टीम खुशकिस्मत है कि उसके पास केन जैसा कप्तान है।

बैलन डी'ओर अवॉर्ड जीतने के बाद ट्रॉफी के साथ इंग्लैंड के कप्तान और बायर्न म्यूनिख के स्ट्राइकर हैरी केन।

केन बोले- मेरा सफर आसान नहीं था

अवॉर्ड जीतने के बाद केन भावुक नजर आए। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को संदेश देते हुए कहा कि मेहनत, दृढ़ संकल्प और खुद पर भरोसे से किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। केन ने कहा, 'मेरा सफर सीधा और आसान नहीं था। मैं ऐसा खिलाड़ी नहीं था, जो सीधे शीर्ष पर पहुंच गया। मुझे मुश्किल दौर से गुजरना पड़ा। मुझे लगातार मेहनत करके खुद को सर्वश्रेष्ठ साबित करना पड़ा। उम्मीद है कि मेरा सफर बच्चों को प्रेरित करेगा।'

केन ने अपनी सफलता का श्रेय टीम के साथियों, कोचों, माता-पिता और पत्नी केट को दिया। उन्होंने पत्नी को अपना सबसे अच्छा दोस्त और सबसे बड़ा समर्थक बताया।

अंडर-19 महिला क्रिकेट में 1 रन पर विवाद

झारखंड ने बीसीसीआई से की शिकायत

पिछले मंगलवार को खेले गए मुकाबले में उत्तराखंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 134 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी झारखंड की टीम आखिरी गेंद पर 133 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। आधिकारिक स्कोर के अनुसार, उत्तराखंड ने यह मुकाबला 1 रन से जीता।

नई दिल्ली, एजेंसी

अंडर-19 महिला क्रिकेट टूर्नामेंट में झारखंड और उत्तराखंड के बीच खेले गए मैच में स्कोरिंग को लेकर विवाद हो गया। झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन (JCA) का आरोप है कि ऑफिशियल स्कोरर ने पारी के दौरान पूरा किया गया एक रन टीम के खाते में नहीं जोड़ा।

इससे झारखंड की टीम 1 रन से मैच हार गई और टूर्नामेंट से बाहर हो गई। एसोसिएशन ने इस मामले में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) को लिखित शिकायत भेजी है। द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, झारखंड का आरोप है कि पारी के 20वें ओवर की चौथी गेंद पर बल्लेबाज दूसरा रन लेने की कोशिश में रनआउट हो गया। इस

दौरान बल्लेबाज पहला रन पूरा कर चुके थे, लेकिन ऑफिशियल स्कोरर ने रनआउट तो दर्ज किया, पर पूरा किया गया पहला रन टीम के स्कोर में नहीं जोड़ा।

JCA के मुताबिक, मैदान के दूसरे छोर पर लगे स्कोरबोर्ड पर हर गेंद के बाद स्कोर अपडेट हो रहा था और उसमें यह रन जोड़ दिया गया था। हालांकि, मुख्य स्कोरर के रिकॉर्ड में रन नहीं जुड़ा।

झारखंड के खिलाड़ियों को स्कोरबोर्ड पर दिख रहे स्कोर के आधार पर लगा कि टीम को जीत के लिए 2 रन और मैच टाई कराने के लिए 1 रन चाहिए। आखिरी गेंद पर टीम ने 1 रन बनाया, लेकिन इसके बावजूद उसे 1 रन से हारा हुआ घोषित कर दिया गया।

मैच के बाद झारखंड के खिलाड़ियों ने नागपुर के अमृतबाई डागा कॉलेज मैदान पर स्कोरर से इस मामले में बहस भी की। हालांकि, स्कोरर ने अपना फैसला नहीं बदला।

झारखंड के एक अधिकारी ने द इंडियन एक्सप्रेस से कहा कि मैदान के दूसरे छोर पर लगे स्कोरबोर्ड पर हर गेंद के बाद अपडेटेड स्कोर दिख रहा था, लेकिन मुख्य स्कोरर एक रन जोड़ना भूल गए। एसोसिएशन का दावा है कि इस गलती के कारण मैच टाई नहीं हो सका।

इंडिया-ए और न्यूजीलैंड अनआफिसशियल टेस्ट- खराब रोशनी के कारण ड्रॉ, न्यूजीलैंड आकिब नबी ने 3 विकेट लिए

भारत-ए जीत से एक विकेट दूर रह गया

नई दिल्ली, एजेंसी

लिंकन में खेले गए पहले अनऑफिशियल टेस्ट में भारत-A जीत से एक विकेट दूर रह गया। चौथे दिन तीसरे सेशन में न्यूजीलैंड-A ने दूसरी पारी में 9 विकेट पर 182 रन बना लिए थे और उसे जीत के लिए 131 रन और चाहिए थे।

खराब रोशनी के कारण खेल रोकना पड़ा और दोबारा शुरू नहीं हो सका, जिससे मुकाबला ड्रॉ रहा।

भारत-A ने पहली पारी में 113 रन पर ऑलआउट होने के बाद शानदार वापसी की। देवदत्त पडिक्कल के 199 रन की मदद से टीम ने दूसरी पारी में 516 रन बनाए और न्यूजीलैंड-A को 313 रन का टारगेट दिया। 313 रन के टारगेट का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड-A की शुरुआत खराब रही। टीम ने 13 रन तक अपने 3 विकेट गंवा दिए

पडिक्कल ने 199 रन की पारी खेली

भारत-A की दूसरी पारी में देवदत्त पडिक्कल ने 248 गेंदों पर 199 रन बनाए। उनकी पारी में 24 चौके और 3 छक्के शामिल रहे। वह दोहरे शतक से सिर्फ एक रन दूर रह गए। साई सुदर्शन ने 184 गेंदों पर 91 रन बनाए। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 215 रन की बड़ी साझेदारी की।

आकिब नबी ने पहली और दूसरी पारी में 3-3 विकेट लिए।

थे। इसके बाद डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने 42 रन बनाकर पारी संभालने की कोशिश की, लेकिन वह मुकेश चौधरी की गेंद पर आउट हो गए। मिचेल हे ने 12 रन बनाए।

यश राठौड़ ने 72 गेंदों पर 66 रन बनाए, जबकि वॉशिंगटन सुंदर ने 80 गेंदों पर 52 रन की पारी खेली। औकिब नबी ने 38 और आकाश दीप ने नाबाद 25 रन बनाए। भारत-A की टीम पहली पारी में 113 रन पर सिमट गई थी, लेकिन दूसरी पारी में 516 रन बनाकर मैच में वापसी की।

भारत-A के लिए आकिब नबी ने 28 रन देकर 3 विकेट लिए। देवदत्त पडिक्कल ने भी गेंदबाजी करते हुए 7 रन देकर 2 विकेट झटके। मुकेश चौधरी, अंशुल कंबोज, वॉशिंगटन सुंदर और आकाश दीप को 1-1 विकेट मिला। दूसरी ओर, कर्टिस हेफी 179 गेंदों पर 89 रन बनाकर नाबाद हैं। उनके साथ जेयडन लेनॉक्स 2 रन बनाकर क्रीज पर हैं। न्यूजीलैंड-A को आखिरी दिन जीत के लिए 131 रन बनाने होंगे, जबकि भारत-A को जीत के लिए एक विकेट की जरूरत है।

भारत-ए की पहली पारी के 113 रन के जवाब में न्यूजीलैंड-ए ने 317 रन बनाए थे। कप्तान राइस मारियू ने 76 और डीन फॉक्सक्रॉफ्ट ने 51 रन की पारी खेली। क्रिस्टियन क्लार्क ने भी 42 रन बनाए। भारत-ए के लिए अंशुल कंबोज और औकिब नबी ने 3-3 विकेट लिए, जबकि आकाश दीप को 2 विकेट मिले।

मनोरंजन

होंठों पर गुलाब, आंखों में गुस्सा दिखा, एक्टर ने लिखा- कातिल नहीं, आशिक हूं

शाहरुख की फिल्म 'किंग' का नया पोस्टर रिलीज

फिल्म में शाहरुख के अलावा दीपिका पादुकोण, रानी मुखर्जी, अभिषेक बच्चन, सुहाना खान, अनिल कपूर, अभय वर्मा और अरशद वारसी भी नजर आएंगे। किंग की कहानी एक मेंटर और शिष्य के सफर पर आधारित है, जो कठिन परिस्थितियों में अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष करते हैं।

मुंबई। शाहरुख खान ने अपकमिंग मूवी 'किंग' का नया पोस्टर मंगलवार को जारी किया है। पोस्टर में शाहरुख के होंठों के बीच गुलाब नजर आ रहा है। उनकी आंखों में गुस्सा और अंदाज में रोमांस दिख रहा है। पोस्टर से फिल्म में एक्शन और रोमांस का मेल होने के संकेत मिलते हैं। शाहरुख ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, "आज फिर याद आया... कातिल नहीं, आशिक हूं।"

फिल्म 24 दिसंबर, 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'किंग' का निर्देशन सिद्धार्थ आनंद कर रहे हैं। फिल्म को रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और मार्फ्लिक्स पिक्चर्स ने मिलकर बनाया है। फिल्म में शाहरुख एक नए एक्शन अवतार में नजर आएंगे।

'किंग' में शाहरुख पहली बार बेटी सुहाना खान

के साथ बड़े पर्दे पर नजर आएंगे। इस फिल्म से सुहाना का थिएटर में डेब्यू होगा। इससे पहले वह ओटीटी फिल्म 'द आर्चीज' में नजर आ चुकी हैं।

साल 2023 में शाहरुख ने करीब 5 साल बाद फिल्म 'पठान' से बड़े पर्दे पर वापसी की थी। यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई। इसे सिद्धार्थ आनंद ने डायरेक्ट किया था। अब वह एक बार फिर शाहरुख के साथ फिल्म 'किंग' में काम कर रहे हैं।

फिल्म में अभिषेक बच्चन विलेन के रोल में नजर आएंगे। उनका किरदार काफी खतरनाक बताया जा रहा है। फिल्म 'कभी अलविदा ना कहना' (2006) के करीब 20 साल बाद शाहरुख खान और रानी मुखर्जी फिर बड़े पर्दे पर साथ नजर आएंगे।

शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण की यह साथ में छठी फिल्म होगी। दोनों ने केप टाउन में फिल्म के एक खास गाने की शूटिंग भी की थी। फिल्म के गानों और बैकग्राउंड म्यूजिक की जिम्मेदारी अनिरुद्ध रविचंदर और सचिन-जिगर संभाल रहे हैं।

क्रिसमस 2026 में होगी बड़ी टक्कर

किंग क्रिसमस 2026 के दौरान रिलीज होगी, जब जुमांजी, एवेंजर्सः डूम्सडे और ड्यून 3 जैसी हॉलीवुड फिल्में भी रिलीज होंगी। इस कॉम्पिटिशन को देखते हुए, फिल्म के लिए बड़े थिएटर रिलीज की प्लानिंग की जा रही है।

बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट में सामने आया था कि फिल्म डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी पेन मरुधर ने किंग के ऑल इंडिया डिस्ट्रीब्यूशन राइट्स 250 करोड़ रुपए में खरीद लिए। बता दें कि पेन मरुधर का शाहरुख खान के प्रोडक्शन हाउस के साथ पुराना संबंध रहा है। कंपनी पहले जवान, डंकी, जीरो, बदला और इत्तेफाक जैसी फिल्मों को रिलीज कर चुकी है। ए.ए. फिल्म्स, जियो स्टूडियोज, पीवीआर आईनॉक्स पिक्चर्स, यशराज फिल्म्स और धर्मा प्रोडक्शंस जैसी कंपनियों ने भी फिल्म के डोमेस्टिक राइट्स के लिए बोली लगाई थी।

आखिरी फिल्म में 'बीहड़' के बागी बने दिखेंगे नाना पाटेकर

इरफान खान को बहुत याद करते थे

नई दिल्ली। दिवंगत अभिनेता नाना पाटेकर ने अपनी आखिरी फिल्म दिनेश विजन की मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनी शक्तिशालिनी में काम किया। उनके करीबी सूत्रों के मुताबिक, फिल्म की खासियत इसकी कहानी और स्टारकास्ट के साथ उसकी दुनिया भी है।

यह पारंपरिक हॉरर-कॉमेडी से अलग है। इसमें सोशल सिचुएशन, रियल लाइफ से इंस्पायर्ड घटनाओं और चंबल के बीहड़ों को अहमियत दी गई है। नाना का किरदार कॉमिक अंदाज के बजाय गंभीरता और बागी तेवरों वाला है। फिल्म को मुंज्या और थामा फेम आदित्य सरपोतदार ने डायरेक्ट किया है और गुल्लक फेम दुर्गेश सिंह ने कहानी लिखी है।

सूत्रों के मुताबिक, फिल्म को हॉरर-कॉमेडी की कैटेगरी में रखना सही नहीं होगा। इसकी कहानी गंभीर ड्रामा पर आधारित है, जिसमें सोशल सिचुएशन से पैदा होने वाला डर और टेंशन अहम हैं। फिल्म में हॉरर एलिमेंट है, लेकिन कॉमेडी के जरिए दर्शकों को डराना इसका मकसद नहीं है। कहानी की परिस्थितियों और सोशल बैकग्राउंड से बेचैनी पैदा करने की कोशिश की गई है। इसलिए इसे सोशल हॉरर-ड्रामा माना जा रहा है।

फिल्म की कहानी रियल घटनाओं से इंस्पायर्ड बताई जा रही है। हालांकि, इंस्पिरेशन लेने और किसी घटना को हूबहू पर्दे पर दिखाने में फर्क है। अभी साफ नहीं है कि स्क्रिप्ट वास्तविक घटनाओं को किस हद तक फॉलो करती है और कहां क्रिएटिव लिबर्टी ली गई है।

इमरान हाशमी के घर की रेकी करने पहुंचे थे शूटर, स्थानीय लोगों से पूछताछ के बाद भी नहीं ढूंढ पाए घर

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस

नई दिल्ली। टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस में मुंबई पुलिस को जांच में पता चला है कि आरोपी शूटरों को एक्टर इमरान हाशमी के घर की रेकी करने को भी कहा गया था। हालांकि, वे उनका घर नहीं ढूंढ पाए। यह दावा हिंदुस्तान टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में किया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सलमान खान लंबे समय से लॉरेंस गैंग के निशाने पर हैं। इस बार शूटरों ने आमिर खान के घर की भी रेकी की थी।

अधिकारी के मुताबिक, शूटरों को पता नहीं था कि आमिर खान दक्षिण मुंबई में शिफ्ट हो चुके हैं। इसलिए वे उनका घर नहीं ढूंढ सके।

इसके बाद शूटरों को इमरान हाशमी के घर की रेकी करने को कहा गया। वे स्थानीय लोगों से पूछताछ के बाद भी घर का पता नहीं लगा पाए। उन्होंने अपने हैंडलर्स को इसकी जानकारी दी।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि

इसके बाद शूटरों ने टाइगर श्रॉफ को निशाना बनाने का फैसला किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर श्रॉफ के रील्स देखे थे।

शूटरों को यह भी पता चला था कि टाइगर श्रॉफ हर रविवार जुहू के पुष्पा नरसी ग्राउंड में फुटबॉल खेलने जाते हैं। कुणाल ने राधा वर्मा को एक पिस्तौल दी थी। इसके बाद राधा वर्मा और बबीता राव ने 17 अक्टूबर को दादर में कथित शूटर रेहान अंसारी से मुलाकात की।

दोनों ने रेहान अंसारी को पिस्तौल सौंप दी थी। पुलिस ने कोर्ट को बताया कि शूटरों को हमले के बाद हथियार लौटाने के निर्देश दिए गए थे। उन्हें यह भी बताया गया था कि हथियार जल्द ही वापस ले लिया जाएगा।

टाइगर श्रॉफ गोली लगने से बाल-बाल बच गए थे। हालांकि, उनके ड्राइवर और एक राहगीर को गोलियां लगी थीं। इस मामले में अब तक कुल 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

चार आरोपी 28 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में

टाइगर श्रॉफ फायरिंग केस में सोमवार को हरियाणा के सोनीपत से गिरफ्तार चार आरोपियों को एस्प्लेनेड कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने उन्हें 28 अक्टूबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। इन आरोपियों में कुणाल संजय, सुमित सरोलिया, राधा वर्मा और बबीता राव शामिल हैं।

पुलिस ने कोर्ट को बताया कि इन आरोपियों ने शूटरों को हथियार मुहैया कराए थे। पुलिस के मुताबिक, कुणाल की बात अनिल पंडित से होती थी। अनिल पंडित को लॉरेंस गैंग का कथित ऑपरेटिव बताया गया है। उसने टाइगर पर हमले की जिम्मेदारी लेने का दावा किया था।

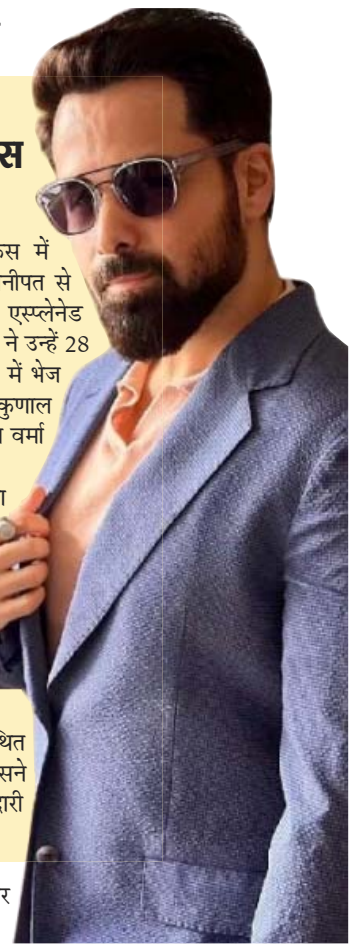

रक्षा मंत्री 1 अरब डॉलर लेकर तेहरान पहुंचे ■ ईरान-पाकिस्तान के जरिए मध्यस्थता की कोशिश

हूतियों को हमला न करने के बदले पैसे देगा सऊदी

पेशकश

तेहरान/रियाद, एजेंसी

सऊदी अरब और हूती विद्रोहियों के बीच पिछले 3 महीने से जंग चल रही है। हूती विद्रोहियों ने सऊदी के कई तेल ठिकानों और एयरपोर्ट्स पर हमले किए हैं।

अब इसे खत्म करने के लिए सऊदी ने हूती विद्रोहियों को पैसे देने की पेशकश की है। इजराइली अखबार हायोम के मुताबिक सऊदी हूती विद्रोहियों को 1 अरब डॉलर (95 अरब रुपए) देने को राजी हो गया है। ईरान इस समझौते के लिए मध्यस्थ बना है। रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान इस सिलसिले में बातचीत

के लिए सोमवार को तेहरान पहुंचे थे। वे जिस प्लेन से तेहरान गए, उसमें पैसे भी ले गए थे। इजराइली मीडिया के मुताबिक, सऊदी अरब और हूतियों के बीच विवाद की एक वजह तीन साल पहले हुई सहमति को लागू न करना भी है। उस समझौते के तहत सऊदी अरब को हूतियों के नियंत्रण वाले इलाकों में सरकारी कर्मचारियों की सैलरी देने और आम लोगों के लिए जरूरी बुनियादी सुविधाएं दोबारा बनाने के लिए आर्थिक मदद देनी थी। इसके बदले हूती विद्रोहियों से सीजफायर बनाए रखने और सऊदी अरब पर हमले रोकने की उम्मीद थी। लेकिन हाल ही में हूतियों ने आरोप लगाया कि सऊदी अरब ने पुरानी सहमति का पालन नहीं किया। उन्होंने इसी आधार पर अपने हमलों को सही ठहराया है।

सऊदी अरब के पास आधुनिक लड़ाकू विमान और मिसाइलें हैं। अमेरिका भी उसे हथियार और खुफिया जानकारी देता रहा है। इसके बावजूद वह 2015 से हूती विद्रोहियों के खिलाफ जारी लड़ाई में जीत हासिल नहीं कर पाया है। 10 साल से ज्यादा समय बाद भी हूती यमन के बड़े हिस्से पर काबिज हैं और सऊदी अरब पर ड्रोन-मिसाइल हमले करने की क्षमता रखते हैं। इसकी एक बड़ी वजह हमले और बचाव पर होने वाला खर्च है। हूती सस्ते ड्रोन और मिसाइलों से हमला करते हैं, जबकि उन्हें रोकने के लिए सऊदी अरब को महंगी इंटरसेप्टर मिसाइलें दागनी पड़ती हैं।

ऐसे में हूतियों के हमलों को रोकने में सऊदी अरब का खर्च कहीं ज्यादा हो सकता है, जिससे लंबे समय तक लड़ाई जारी रखना महंगा पड़ता है।

■ सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के अधिकारी सोमवार को तेहरान पहुंचे थे। उन्होंने ईरान जंग और हूती विद्रोहियों से जुड़े मुद्दों पर बातचीत की।

> **हूती लंबे समय से यमन में सक्रिय हैं और वहां उनकी मजबूत पकड़ है। उन्हें पूरी तरह हटाने के लिए सऊदी अरब को बड़ा जमीनी अभियान चलाना पड़ सकता है। इसमें सैनिकों के मारे जाने और युद्ध लंबे समय तक चलने का खतरा है।**

सऊदी की शर्त- हूती पहले कब्जे वाले इलाके लौटाए

इस बातचीत में पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और तुर्किये की खुफिया एजेंसी के प्रमुख इब्राहिम कालिन और ईरान की ओर से राष्ट्रपति मसूद पजशकियान भी शामिल हुए।

रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब का कहना है कि वह सैन्य दबाव में आकर कोई नया सीजफायर समझौता नहीं करेगा। सऊदी चाहता है कि हूती पहले उन इलाकों को लौटाएं, जिन पर उन्होंने यमन की सरकार से कब्जा किया है। इस सरकार को सऊदी अरब का समर्थन हासिल है।

हूतियों के हमलों से सऊदी अरब के एयरपोर्ट और तेल ठिकानों को नुकसान पहुंचा है। इससे देश की अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ा है। दूसरी ओर, बाब अल-मंदेब स्ट्रेट के पास भी हूतियों के कब्जे की वजह से सऊदी का तेल निर्यात प्रभावित हुआ है।

डोनल्ड ट्रंप पर लगा बलात्कार का आरोप

पूर्व मिस स्विट्जरलैंड का दावा- 1993 में होटल के कमरे में हुई दरिंदगी

वाशिंगटन, एजेंसी

पूर्व मिस स्विट्जरलैंड बीट्रिस केउल ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप पर आरोप लगाए हैं कि 1993 में न्यूयॉर्क के प्लाजा होटल में ट्रंप ने उनके साथ बलात्कार किया था। उन्होंने इस घटना को बेहद क्रूर बताया है। उनका यह बयान डेमोक्रेट्स की एक नई रिपोर्ट में शामिल है। हाउस ज्यूडिशियरी कमिटी द्वारा जारी इस रिपोर्ट में जेफ्री एपस्टीन के सेक्स ट्रैफिकिंग रैकेट के साथ ट्रम्प के कथित संबंधों की जांच की जा रही है। हालांकि व्हाइट हाउस ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे राजनीतिक रूप से प्रेरित और बेबुनियाद करार दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक यह घटना नवंबर 1993 की है।

तत्कालीन मॉडल और फाइनेंशियल सर्विस पेशेवर बीट्रिस केउल को जिल हार्ट द्वारा अटलांटिक सिटी और न्यूयॉर्क में आयोजित 'डोनल्ड ट्रम्प अमेरिकन ड्रीम पेजेंट' में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था।

उस समय होटल प्लाजा ट्रंप के स्वामित्व में था। केउल के अनुसार, एक प्रेस लंच के दौरान ट्रम्प उनके पास आए और कहा, 'आखिरकार हम मिल ही गए, मिस केउल।'

रिपोर्ट में कहा गया है कि उसी दिन ट्रम्प के एक प्रतिनिधि ने केउल को होटल के ऊपरी कमरों में ट्रम्प से मिलने के लिए कहा।

फास्ट न्यूज

रूसी डीजल आयात अमेरिकी सांसदों की बैंकों

वॉशिंगटन । अमेरिकी सांसदों के एक द्विदलीय समूह ने बैंकों, बंदरगाह प्राधिकरणों और ईंधन वितरकों को चेतावनी दी है कि रूस से डीजल आयात की सुविधा देने पर उन्हें कानूनी कार्रवाई और कांग्रेस की जांच का सामना करना पड़ सकता है। सांसदों ने प्रमुख वित्तीय संस्थानों, बंदरगाहों और ईंधन वितरक कंपनियों के प्रमुखों को लिखे पत्रों में कहा कि अमेरिकी कानून का उल्लंघन करते हुए आयात में मदद करने वाली कंपनियों पर आपराधिक और दीवानी कार्रवाई हो सकती है।

युगांडा में 15 साल में 38 लोगों को मारकर खा गया 'नरपिशाच'

कंपाला। युगांडा के सुरक्षा बलों ने एक ऐसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया है, जिस पर पिछले 15 वर्षों के दौरान 38 लोगों की हत्या कर उनका मांस खाने का गंभीर आरोप है। देश के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज के जनरल मुहूजी काइनेरुगाबा ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर गिरफ्तारी की जानकारी दी है।आरोपी की पहचान मुजुरिजी मोसेस के रूप में हुई है, जिस पर 2010 से 2025 के बीच मसाका, इबांडा और काजो जिलों में जघन्य अपराधों को अंजाम देने का आरोप है। जनरल काइनेरुगाबा ने आरोपी को युगांडा के इतिहास का सबसे क्रूर सीरियल किलर और आदमखोर करार दिया।

सोना 628 सस्ता होकर 1.41 लाख पर आया

नई दिल्ली। केदिवाली से पहले सोने-चांदी के दाम में गिरावट जारी है। आज यानी 26 अक्टूबर को भी इनके दाम में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 628 रुपए गिरकर 1.41 लाख रुपए आ गया है। एक किलो चांदी की कीमत 2,442 रुपए कम होकर 1.92 लाख रुपए पर आ गई है।

जर्मनी में युवक ने भीड़ पर जानबूझकर चढ़ाई तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार

उत्तरी जर्मनी में जानबूझकर कार से भीड़ को टक्कर

बर्लिन, एजेंसी

सोमवार को देर रात उत्तरी जर्मनी में एक कार ने जानबूझकर लोगों के समूह को टक्कर मार दी। हादसे में कई लोग घायल हो गए।

पुलिस अधिकारी ने न्यूज एजेंसी रॉयटर्स को मामले की जानकारी देते हुए बताया कि न्यूस्टैड एम रूबेनबर्गे में एक BMW कार को आरोपी ने जानबूझकर लोगों के एक समूह पर चढ़ा दिया।

इस घटना में चार से पांच लोग घायल हो गए, जिनमें से कुछ को मामूली चोट आई है वहीं कुछ लोग गंभीर रूप से घायल हैं।

पुलिस की एक टीम पास में ही रूटीन ट्रैफिक चेकिंग कर रही थी, टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को कंट्रोल किया। पुलिस ने बताया कि घटना के दौरान अधिकारियों ने गाड़ी पर गोलियां भी चलाईं।

शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस घटना में शामिल लोग एक-दूसरे को जानते थे। पुलिस ने बताया कि कार में सवार लोग मौके से भाग गए और अभी भी फरार हैं।

जंग रोकने तेहरान पहुंचे सऊदी-पाक-तुर्किये, ट्रम्प ने जल्द हमला करने की धमकी दी थी

मुस्लिम देशों को एकजुट होना चाहिए : ईरानी राष्ट्रपति मसूद

तेहरान, एजेंसी

ईरान के साथ जंग रोकने और पश्चिम एशिया में तनाव कम करने के लिए सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये के अधिकारी सोमवार को तेहरान पहुंचे।

यहां उन्होंने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान और दूसरे अधिकारियों के साथ बैठक की। पजशकियान ने कहा कि मुस्लिम देशों को एकजुट होकर क्षेत्रीय सुरक्षा के लिए काम करना चाहिए।

यह बैठक ऐसे समय हुई है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान पर जल्द हमला करने की धमकी दी थी। बैठक में सऊदी अरब के रक्षा मंत्री प्रिंस खालिद बिन सलमान, पाकिस्तान के सेना प्रमुख

फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और तुर्किये के खुफिया प्रमुख इब्राहिम कालिन शामिल हुए। ईरान की ओर से राष्ट्रपति पजशकियान के अलावा विदेश मंत्री अब्बास अराघची और राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव मेजर जनरल मोहसेन रेजाई भी मौजूद थे। इससे पहले सऊदी रक्षा मंत्री, तुर्किये के खुफिया प्रमुख और पाकिस्तानी सेना प्रमुख ने रेजाई के साथ अलग से बैठक की थी। बैठक के बाद

मक्का रक्षा समझौते का हिस्सा हैं सऊदी-पाक-तुर्किये

सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये अगस्त में हुए मक्का संयुक्त रक्षा समझौते का हिस्सा हैं। इस समझौते के मुताबिक, तीनों देशों में से किसी एक पर हमला बाकी देशों पर हमला माना जाएगा। सऊदी अरब के सार्वजनिक कूटनीति मामलों के उप मंत्री रायेद क्रिमली ने कहा कि यह बैठक संकट में शामिल पक्षों के बीच तनाव कम करने और बातचीत के जरिए समाधान निकालने की कोशिशों का हिस्सा है।

जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि चारों देश क्षेत्र में शांति और सुरक्षा के लिए आपसी सहयोग बढ़ाने और बातचीत जारी रखने पर सहमत हुए हैं। उन्होंने कहा कि मक्का रक्षा समझौते में शामिल

ईरानी राष्ट्रपति बोले- दबाव से देशों को झुकाया नहीं जा सकता

बैठक के दौरान पजशकियान ने कहा कि क्षेत्र के देशों को अपने लोगों के खिलाफ खतरों का मिलकर सामना करना चाहिए। आपसी मतभेदों को बातचीत से सुलझाना चाहिए और सहयोग बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा की, इन बैठकों में होने वाला कोई भी ऐसा समझौता, जिससे क्षेत्र में एकता, आपसी तालमेल और सहयोग बढ़ेगा, उसे ईरान का पूरा समर्थन मिलेगा।

देश क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता मजबूत करने के लिए काम कर रहे हैं। यह पहल कतर और पाकिस्तान की मध्यस्थता की कोशिशों को भी समर्थन देती है। ईरान का परमाणु कार्यक्रम अमेरिका के साथ समझौते की राह में बड़ी रुकावट बना हुआ है। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इसी महीने की शुरुआत में कहा था कि ईरान को यूरेनियम संवर्धन की अपनी क्षमता में ठोस कमी करनी होगी।

दायरे में 60 हजार कर्मचारी, इनमें भारतीय भी, एआई खर्च की भरपाई के लिए फैसला

माइक्रोसॉफ्ट कर्मचारियों को पैसे लेकर नौकरी छोड़ने का ऑफर

नई दिल्ली, एजेंसी

माइक्रोसॉफ्ट ने करीब 60 हजार कर्मचारियों को नौकरी छोड़ने का ऑफर दिया है। कंपनी ने इसके बदले ग्रेड के मुताबिक एक साल तक की सैलरी एकमुश्त देने की बात कही है।

कंपनी AI और सिस्टम बनाने में हुए खर्च की भरपाई के लिए कर्मचारियों की संख्या कम करने जा रही है। कंपनी में कुल 2.23 लाख कर्मचारी हैं, जिनमें 23 हजार भारत में हैं। माइक्रोसॉफ्ट भारत, अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन के लेवल 70 या उससे नीचे के पद पर काम कर रहे कर्मचारियों के लिए यह स्कीम लाई है। इनमें से कितनों को ऑफर मिलेगा, यह साफ नहीं है।

कंपनी ने कहा है कि एलिजिबल

■ माइक्रोसॉफ्ट की यह योजना भारत, अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा के कर्मचारियों के लिए है।

> **जो लोग ऑफर नहीं लेंगे, वे अपनी मौजूदा भूमिकाओं में काम करते रहेंगे या कंपनी उन्हें कोई दूसरा प्रोजेक्ट/टीम असाइन कर सकती है।**
>
> **यदि कंपनी वॉलेंटरी ऑफर से अपना खर्च घटाने का लक्ष्य पूरा नहीं कर पाती है, तो आने वाले समय में वह जबरन छंटनी का कदम उठा सकती है। उस स्थिति में नौकरी जाने पर कर्मचारियों को वॉलेंटरी एग्जिट जितना बेहतर फाइनेंशियल पैकेज नहीं मिलता है।**

कर्मचारियों को अगले कुछ घंटे में ईमेल भेजा जाएगा। इस पर 1 दिसंबर तक फैसला करना होगा।

माइक्रोसॉफ्ट ने मई और जुलाई 2025 में करीब 15 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकाला था। इसके बाद जुलाई 2026 में भी कंपनी ने करीब 4,800 पद खत्म किए। यानी इन तीनों दौर में कुल मिलाकर करीब 20 हजार नौकरियों पर असर पड़ा।

माइक्रोसॉफ्ट की एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और चीफ पीपल ऑफिसर एमी कोलमैन ने कहा कि

लेवल 70 से ऊपर सीनियर पद, उनकी छंटनी नहीं

माइक्रोसॉफ्ट में शुरुआती पद लेवल 59 से शुरू होते हैं और सीनियर पद लेवल 70 से ऊपर होते हैं। यह कंपनी के जूनियर, मिड-लेवल और सीनियर स्तर के कर्मचारियों का कैडर होता है।

इसमें सीनियर डायरेक्टर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, सीनियर इंजीनियर, प्रोजेक्ट मैनेजर, टीम लीडर और मिड-लेवल मैनेजर्स शामिल होते हैं।

वॉलंटरी एग्जिट ऑफर हमारे लिए एक नया अनुभव है और हम इससे बहुत कुछ सीखेंगे।

इसके साथ ही, हमारा ध्यान इस बात पर रहेगा कि लोग अपने सबसे जरूरी काम पर फोकस कर सकें, नई चीजें सीखें और जहां संभव हो, माइक्रोसॉफ्ट के अंदर ही नए मौकों की तलाश करें। हर टीम या हर कर्मचारी के लिए एक ही नियम लागू नहीं हो सकता।

ये कुछ ऐसे तरीके हैं जिनसे हम बिजनेस की अलग-अलग जरूरतों को पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि हमारे अपने लोगों को आगे बढ़ने और योगदान देने का मौका मिलता रहे।

मेरा वादा है कि मैं आगे भी आपको हर बात साफ-साफ बताती रहूंगी, आपकी बात सुनूंगी और लगातार सुधार करती रहूंगी। आप हमारे ग्राहकों, माइक्रोसॉफ्ट और एक-दूसरे के लिए जो भी कर रहे हैं, उस सब के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद!

ब्राजील में राष्ट्रपति चुनाव हारते ही फ्लेवियो पर एक्शन

पासपोर्ट जमा करने और देश छोड़ने पर लगी रोक

ब्रासीलिया, एजेंसी

ब्राजील के राष्ट्रपति चुनाव के दूसरे दौर में राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डा सिल्वा से हार के बाद ब्राजील के सीनेटर फ्लेवियो बोल्सोनारो को 24 घंटे के अंदर अपना पासपोर्ट जमा करने का आदेश दिया गया है और उनके देश छोड़ने पर रोक लगा दी गई है। यह गोपनीय आदेश सुप्रीम फेडरल कोर्ट के जस्टिस एलेक्जेंडर डी मोरेस द्वारा जारी किया गया है

ब्राजील की सरकारी समाचार एजेंसी 'एजेंसिया ब्रासिल' की रिपोर्ट के अनुसार, यह कार्रवाई फेडरल पुलिस द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग और अवैध विदेशी मुद्रा लेनदेन की जांच के तहत की गई है। अदालत के आदेश के अनुसार, फ्लेवियो के सभी सामान्य और डिप्लोमैटिक पासपोर्ट रद कर दिए गए हैं।

इस आदेश के तहत बोल्सोनारो के वकील विलर टोमाज से संपर्क करने से भी मना किया है। टोमाज पर सीनेटर के साथ मिलकर मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले की जांच चल रही है। सोमवार को सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में फ्लेवियो बोल्सोनारो ने इस आदेश की पुष्टि की उन्होंने बताया कि उन्हें यह नोटिस तब मिला जब वह अपने पिता और पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो से मिलने गए थे, जो ब्रासीलिया में हाउस अरेस्ट हैं।

सोशल मीडिया वीडियो में बोल्सोनारो ने कहा, 'मुझे सड़क पर ही अपने पासपोर्ट सौंपने का आदेश दिया गया, और साथ ही मेरे देश छोड़ने पर भी रोक लगा दी गई है।'

कार्यक्रम : प्रदर्शनकारियों ने कई कारों और कचरे के कंटेनरों में आग लगाई

स्पेन के बिलबाओ में भड़की हिंसा

मैड्रिड, एजेंसी

स्पेन के बिलबाओ में दक्षिणपंथी कार्यकर्ता वीटो क्विल्स को एक कार्यक्रम में शामिल होना था। लेकिन उनके आने के विरोध में बिलबाओ में हिंसक प्रदर्शन शुरू हुए। हिंसक प्रदर्शन में कई कारों और कचरे के कंटेनरों में आग लगा दी गई।

हिंसा भड़कने के चलते सुरक्षा कारणों से कार्यक्रम को रद कर दिया गया, जिसके बाद ड्यूस्टो इलाके में दंगा-रोधी पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव हुआ। पुलिस ने इस हिंसक प्रदर्शन नौ लोगों को गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनकारियों का एक समूह ड्यूस्टो पुलिस स्टेशन की ओर बढ़ा, जहां उन्होंने पत्थर फेंके और

नगर पुलिस की मोटरसाइकिल में आग लगा दी।

सुरक्षा विभाग का आरोप है कि इसमें शामिल लोगों ने जानबूझकर हंगामा किया, जबकि उन्हें पता था कि कार्यक्रम रद कर दिया गया है।

पुलिस के निर्देशों के बाद, यूनिवर्सिटी ऑफ ड्यूस्टो ने दोपहर 2 बजे (स्थानीय समय) से अपनी गतिविधियां रोक दीं और एहतियात के तौर पर दोपहर 3 बजे (स्थानीय समय) अपना कैंपस बंद कर दिया।

संस्थान ने कहा कि यह कार्यक्रम बाहर के लोगों द्वारा आयोजित किया गया था, इसके लिए कैंपस में कोई अनुमति नहीं ली गई थी और यूनिवर्सिटी का इसे कोई समर्थन नहीं था। वीटो क्विल्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए कार्यक्रम रद होने की जानकारी दी थी। उन्होंने बताया कि उन्होंने पुलिस ऑपरेशन के प्रमुख से बात की थी, जिन्होंने उन्हें घटनाओं के बहुत अधिक जोखिम के बारे में चेतावनी दी थी। किल्स ने इसी पोस्ट पर प्रदर्शनकारियों पर आरोप लगाया कि वे ETA (एक पूर्व आतंकवादी संगठन) के सदस्य, सड़क पर हिंसा करने वाले आतंकवादी और अन्य अपराधी हैं। हालांकि उन्होंने अपने इन आरोपों के समर्थन में कोई सबूत नहीं दिया। उन्होंने प्रदर्शनकारियों को नीच भी कहा और लिखा, 'हम बिलबाओ वापस आएंगे। लेकिन 29N (29 नवंबर) को उन्हें वैसा ही जवाब देंगे, जिसके वे हकदार हैं।'

स्पेन में हर जगह विरोध प्रदर्शन

बिलबाओ में ये झड़पें ऐसे समय में हुई हैं जब पूरे स्पेन में किफायती घरों की उपलब्धता और बढ़ती महंगाई को लेकर बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

स्पेन में आवास को लेकर देशव्यापी प्रदर्शनों की शुरुआत सितंबर 2026 के आखिर में हुई, जब 23 सितंबर को मैड्रिड में 87 वर्षीय मारिकार्मेन अबास्कल को उनके घर से बेदखल कर दिया गया।

प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर लगाई आग

प्रदर्शनकारियों ने चेहरे ढके हुए थे। उन्होंने कंटनर और कारों में आग लगा दी। इस प्रदर्शन में कम से कम छह कारों, कचरे के कई कंटेनरों और नगर पुलिस की एक मोटरसाइकिल को नुकसान पहुंचा, जबकि दमकलकर्मियों को कई जगहों पर लगी आग बुझाने के लिए पहुंचना पड़ा।

प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर बैरिकेड्स लगाकर रास्ता भी रोका। स्पेन से इस हिंसात्मक प्रदर्शन का वीडियो भी सामने आया है।

स्पेनिश अखबार एल कॉन्स्टिट्यूशनल के मुताबिक, यूनिवर्सिटी ऑफ ड्यूस्टो के पास शाम 7 बजे क्विल्स के कार्यक्रम के खिलाफ पहले से ही प्रदर्शन चल रहे थे। लेकिन सोमवार को ये प्रदर्शन काफी उग्र हो गए।

'वीटो का इस्तेमाल संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ के लिए नहीं होना चाहिए'

वाशिंगटन, एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में व्यापक सुधारों की अपनी मांग को एक बार फिर दोहराते हुए भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। भारत ने स्पष्ट कहा कि सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों (पी5) को मिला वीटो पावर का विशेषाधिकार किसी संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ को साधने का साधन नहीं बनना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्थवनेनी हरीश ने देश का पक्ष रखते हुए कहा कि वीटो केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि एक भारी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा से जुड़े मसलों पर वीटो का इस्तेमाल बेहद संयम के साथ किया जाना चाहिए। भारतीय राजदूत ने वीटो के ऐतिहासिक इस्तेमाल का ब्योरा देते हुए बताया कि कुछ चुनिंदा देशों द्वारा इसके असंतुलित उपयोग ने सुरक्षा परिषद की विश्वसनीयता को चोट पहुंचाई है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के इतिहास में लगभग 200 प्रस्तावों पर अब तक 331 बार वीटो का उपयोग किया जा चुका है।

पिछले साढ़े तीन दशकों से पांच स्थायी सदस्यों में से दो ने वीटो का इस्तेमाल नहीं किया है, जबकि अधिकांश वीटो या उसकी धमकियां बाकी तीन सदस्यों की तरफ से ही आई हैं। 2022 में वीटो के इस्तेमाल पर जवाबदेही तय करने के लिए नियम बनाए गए थे, लेकिन उसके बाद भी इसके लगातार उपयोग से साबित होता है कि वे प्रयास नाकाफी रहे हैं। पार्थवनेनी हरीश ने रेखांकित किया कि वीटो के मुद्दे को अकेले सुलझाने से व्यवस्था नहीं बदलेगी। इसके लिए सुधार के सभी महत्वपूर्ण विषयों पर एक साथ बात करना जरूरी है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96